Aarambh Institute

अंक - सितम्बर 2025

आरम्भ

वार्षिक समसामयिकी

फरवरी 2024 से जुलाई 2025

महत्वपूर्ण घटनाओं का सम्पूर्ण विश्लेषण
प्रतियोगिता परीक्षाओं हेतु उपयोगी एक सम्पूर्ण संकलन

आरम्भ वार्षिक समसामयिकी

प्रकाशक

AARAMBH PUBLICATION

188/3, INDUSTRIAL AREA, SHIKOHABAD, FIROZABAD (UP) - 283135

CONT: +91 7400976700

MAIL: info@aarambhinstitute.co.in

Website: www.aarambhinstitute.org

ISBN No: 978-93-343-5768-4

विधिक घोषणाएँ

- इस पुस्तक में प्रकाशित सूचनाएँ, समाचार, ज्ञान एवं तथ्य पूरी तरह से सत्यापित किये गए हैं। फिर भी, यदि कोई जानकारी या तथ्य गलत प्रकाशित हो गया हो तो प्रकाशक, संपादक या मुद्रक उससे किसी व्यक्ति-विशेष या संस्था को पहुँची क्षति के लिये जिम्मेदार नहीं है।
- हम विश्वास करते हैं कि इस पुस्तक में छपी सामग्री लेखकों द्वारा मौलिक रूप से लिखी गई है। अगर कॉपीराइट उल्लंघन का कोई मामला सामने आता है, तो प्रकाशक को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा।
- इस पुस्तक का कॉपीराइट सुरक्षित है। अतः इस पुस्तक के किसी भी अंश का नकल करने या किसी अन्य रूप से छापनेवाला व्यक्ति इसकी क्षति के लिए जिम्मेवार होगा।
- सभी विवादों का निपटारा फिरोजाबाद जिला न्यायिक क्षेत्र में होगा।
- © कॉपीराइटः आरम्भ पब्लिकेशन, सर्वाधिकार सुरक्षित।
- इस प्रकाशन के किसी भी अंश का प्रकाशन अथवा उपयोग, प्रतिलिपीकरण, ऐसे यंत्र में भंडारण जिससे इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता हो या स्थानान्तरण, किसी भी रूप में या किसी भी विधि से (इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग या किसी अन्य प्रकार से) प्रकाशक की पूर्वानुमति के बिना नहीं किया जा सकता।

संपादक एवं लेखक

डॉ. अजय कुमार यादव

मुद्रक

आरम्भ पब्लिकेशन, शिकोहाबाद
फिरोजाबाद

अनुक्रमाणिका

आमुख	*ii*
प्रस्तावना	*iii*
संपादक की कलम से	*iv*
बिशेष धन्यवाद	*v*
राष्ट्रीय घटनाक्रम	*1*
अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम	*12*
प्रमुख राष्ट्रीय सम्मेलन : 2024	*16*
न्यायिक परिदृश्य	*20*
आर्थिक परिदृश्य	*22*
प्रमुख रिपोर्ट्स एवं सूचकांक	*36*
पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी	*51*
विज्ञान एवं प्रौद्योगिक	*71*
इतिहास कला एवं संस्कृति	*86*
कल्याणकारी योजनायें (केंद्र एवं राज्य)	*103*
महत्वपूर्ण व्यक्ति	*110*
चर्चित स्थल	*129*
खेल परिदृश्य	*137*
महत्वपूर्ण पुरस्कार	*154*
विविध	*174*
पुस्तकें एवं लेखक	*187*
नवीनतम संक्षिप्त शब्द	*189*
अंतर्राष्ट्रीय संस्थान/संगठन	*191*
अन्य पदाधिकारी	*195*
भारत के अन्य देशों के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास	*198*
अकेले भारत का अभ्यास	*201*
लोकसभा चुनाव : 2024	*209*
भारत के उच्च न्यायालय	*211*
भारत के भौगोलिक संकेत (GI टैग)	*212*
भारत सरकार के आगामी लक्ष्य	*215*
कौन, क्या, कहाँ	*217*
भारत एवं विश्व में प्रथम : 2023-25	*219*
क्विक फैक्ट्स	*228*

राष्ट्रीय घटनाक्रम

मानव तस्करी के विरुद्ध विश्व दिवस और ऑपरेशन नया सवेरा

क्यों है चर्चा में?

- 30 जुलाई को मानव तस्करी के विरुद्ध विश्व दिवस मनाया गया।
- वर्ष 2025 में मानव तस्करी के विरुद्ध विश्व दिवस की थीम है -"मानव तस्करी संगठित अपराध है - शोषण समाप्त करें।"

खबर का विवरण

- मानव तस्करी के विरुद्ध विश्व दिवस के अवसर पर, बिहार पुलिस मुख्यालय द्वारा 'ऑपरेशन नया सवेरा' नामक एक विशेष अभियान की शुरुआत की गई है।
- इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शोषणकारी क्षेत्रों (मानव तस्करी, बाल श्रम, देह व्यापार और ऑर्केस्ट्रा समूहों) में शोषण का शिकार हुए व्यक्तियों को (विशेष रूप से नाबालिग तस्करी पीड़ितों को) चिन्हित कर उन्हें बचाना और पुनर्वासित करना है।
- यह अभियान 31 जुलाई से 14 अगस्त 2025 तक 15 दिनों तक चलाया जाएगा।
- इस अभियान का संचालन बिहार पुलिस के कमजोर वर्ग प्रभाग द्वारा किया जा रहा है।

बिहार में मानव तस्करी की स्थिति:

- जनवरी 2025 से मई 2025 के बीच राज्य में कुल 231 मानव तस्करी के मामले दर्ज किए गए। इसी अवधि में 118 नाबालिग लड़कियों और 506 लड़कों को बचाया गया है। इस दौरान कुल 144 तस्करों को गिरफ्तार किया गया।
- राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) 2022 के अनुसार, 260 मामलों के साथ बिहार मानव तस्करी में देशभर में तीसरे स्थान पर था, परंतु नाबालिगों के बचाव के मामलों में यह पहला राज्य रहा।

बिहार का तस्करी विरोधी ढांचा:

- राज्य के हर जिले में मानव तस्करी विरोधी समिति और मानव तस्करी विरोधी कार्यबल (AHTTF) गठित की गई है, जो प्राप्त गुप्त सूचनाओं के आधार पर छापेमारी और बचाव अभियान चलाते हैं।
- भारत-नेपाल जैसे सीमावर्ती इलाकों में सशस्त्र सीमा बल (SSB) भी इसी प्रकार के बचाव और जांच अभियान संचालित करता है।

पुनर्वास प्रक्रिया:

- बचाए गए तस्करी पीड़ितों का पुनर्वास बाल कल्याण समिति (CWC) और बाल देखभाल संस्थानों की मदद से सुनिश्चित किया जाता है।

मानव तस्करी से जुड़ी चुनौतियाँ:

- सीमावर्ती क्षेत्रों की निकटता तस्करों को आसानी से भागने का अवसर देती है।
- गुप्त सूचनाओं के देर से प्राप्त होने के कारण समय पर बचाव अभियान बाधित होता है।
- कई बार पीड़ितों के परिवारों का सहयोग नहीं मिलता और सामाजिक कलंक के कारण उनका पुनर्वास और समाज में पुनः एकीकरण कठिन हो जाता है।

मानव तस्करी रोकने की दिशा में उठाए गए सशक्त कदम:

- राज्य सरकार ने सड़कों और रेलवे मार्गों पर स्थानीय कार्मिकों की तैनाती कर तस्करी पीड़ितों की पहचान की रणनीति अपनाई है।
- NGO, पुलिस और कल्याण विभागों के बीच समन्वय को और अधिक मज़बूत किया जा रहा है।
- जन-जागरूकता अभियानों, पीड़ितों के पुनः एकीकरण में सहयोग और पुलिस के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (SOPs) जारी कर तस्करी विरोधी रणनीति को मजबूत किया जा रहा है।
- यह अभियान न केवल राज्य में सक्रिय तस्करों के नेटवर्क को तोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि पीड़ितों को सम्मानजनक जीवन देने का प्रयास भी है।

उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रपति को सौंपा इस्तीफा

इस्तीफ़े की पृष्ठभूमि और समय

- उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई 2025 को अपने पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफ़ा दे दिया। उन्होंने अपने इस्तीफे में स्वास्थ्य संबंधी कारण और डॉक्टर की सलाह का हवाला दिया। यह इस्तीफा संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन आया, जबकि उनके कार्यकाल के अभी 2 वर्ष शेष थे।

इस्तीफे से पूर्व का घटनाक्रम (21 जुलाई 2025)

- दोपहर 12:30 बजे - उप-राष्ट्रपति ने राज्यसभा के व्यवसाय सलाहकार समिति (BAC) की बैठक की अध्यक्षता की। इसमें केंद्रीय मंत्री भी उपस्थित थे।
- शाम 4:30 बजे - BAC की अगली बैठक बुलाई गई, लेकिन जेपी नड्डा और किरण रिजिजू जैसे वरिष्ठ मंत्री बिना सूचना के अनुपस्थित रहे।
- थोड़ी देर बाद धनखड़ ने बैठक को अगले दिन दोपहर 1 बजे के लिए स्थगित किया और इसे गंभीर अपमान बताया गया।
- शाम में धनखड़ ने राष्ट्रपति को इस्तीफ़ा सौंप दिया, जिसमें स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की बात कही गई।
- विपक्ष के कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि यह केवल स्वास्थ्य का मामला नहीं, बल्कि "और भी गहरे कारण" हैं। उन्होंने यह भी कहा कि धनखड़ प्रोटोकॉल और गरिमा के प्रति बेहद सजग व्यक्ति थे और खुद को अपमानित महसूस कर सकते हैं।

राज्यसभा में हालिया घटनाएं जो इस्तीफे का कारण बन सकती हैं

- न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव- उप-राष्ट्रपति ने राज्यसभा में एक न्यायाधीश को हटाने का प्रस्ताव सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया, जिससे सरकार असहज हो गई थी।
- राज्यसभा में 500 रुपये के नोट मिलने की घटना - एक गुप्त धनराशि संसद भवन के भीतर मिली, जिसकी घोषणा उप-राष्ट्रपति ने की। यह मुद्दा भी सरकार के लिए चिंताजनक बना।
- सरकार की नाराज़गी - सूत्रों के अनुसार, भाजपा नेतृत्व उप-राष्ट्रपति की स्वतंत्र शैली और न्यायपालिका की आलोचना से असहज था।

जगदीप धनखड़ का कार्यकाल और छवि

- उन्होंने अगस्त 2022 में उप-राष्ट्रपति पद ग्रहण किया और साथ ही राज्यसभा के सभापति भी बने।

- वे संसद में नियमों, प्रोटोकॉल, न्यायिक पारदर्शिता0और कृषक हितों की खुलकर वकालत करते रहे।
- वे एक वरिष्ठ अधिवक्ता, पूर्व लोकसभा सांसद और पश्चिम बंगाल के राज्यपाल भी रह चुके हैं।

अस्थायी व्यवस्था

जब तक नया उप-राष्ट्रपति नहीं चुना जाता, तब तक राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह सभापति की भूमिका निभा सकते हैं।

भोजपुरी के शेक्सपियर भिखारी ठाकुर को भारत रत्न देने की माँग

चर्चा में क्यों है?

- भारतीय जनता पार्टी के सांसद मनोज तिवारी ने केंद्रीय गृहमंत्री से अनुरोध किया है कि भोजपुरी के प्रतिष्ठित कवि, नाटककार, लोकगायक और समाज सुधारक भिखारी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया जाए।
- इस प्रस्ताव का किसी भी राजनीतिक दल द्वारा विरोध नहीं किया गया है, जो इस बात का संकेत है कि भिखारी ठाकुर के प्रति सभी दलों में गहरा सम्मान है।

भिखारी ठाकुर: व्यक्तित्व और योगदान

- भिखारी ठाकुर का जन्म 1887 में बिहार के सारण जिले के कुतुबपुर दियारा गाँव में हुआ था।
- उन्हें आमतौर पर "भोजपुरी के शेक्सपियर" की उपाधि दी जाती है।
- साहित्यिक कृतियाँ:
  - उन्होंने कुल 29 पुस्तकें लिखीं।
  - उनकी पहली पुस्तक 'बटोहीया' वर्ष 1912 में प्रकाशित हुई थी।
  - उनका सबसे प्रसिद्ध नाटक 'बिदेशिया' है, जो प्रवासन के कारण उत्पन्न वियोग और सामाजिक ताने-बाने को दर्शाता है।
- प्रमुख नाटक और सामाजिक सरोकार:
  - 'बेटी बेचवा', 'गबर घिचोर' और 'अछूत की शिकायत' जैसे नाटकों के माध्यम से उन्होंने बाल विवाह, दहेज प्रथा, अस्पृश्यता जैसे सामाजिक मुद्दों को मंच पर प्रस्तुत किया।
  - 'अछूत की शिकायत' में मुख्य पात्र हीरा डोम एक दलित व्यक्ति है, जो समाज की जातिगत विषमता को उजागर करता है।
- मुख्य विषयवस्तु:
  - उनके लेखन में बाल विवाह, जातीय भेदभाव, लैंगिक असमानता, नशाखोरी, प्रवासन और विस्थापन जैसे ज्वलंत मुद्दों को गंभीरता से उठाया गया है।
- भिखारी ठाकुर की विरासत:
  - भिखारी ठाकुर आज भी भोजपुरी अस्मिता और बिहार की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक माने जाते हैं। वे बाद में कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता) चले गए, जहाँ उन्होंने प्रवासी श्रमिकों के जीवन संघर्ष को करीब से देखा। यही अनुभव उनके साहित्य की गहराई और विषयवस्तु का आधार बना।
- उनकी स्थापित नाट्य परंपरा और लोक संगीत आज भी जनमानस को सामाजिक चेतना से जोड़ने का सशक्त माध्यम बने हुए हैं।

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जयन्ती

चर्चा में क्यों ?

- लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयन्ती देश भर में 23 जुलाई को मनाई गयी।

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक

- लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का जन्म 23 जुलाई 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के चिखली गाँव में हुआ था और उनका निधन 1 अगस्त 1920 को मुंबई में हुआ। उनका मूल नाम केशव गंगाधर तिलक था।

- वे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के आरंभिक और प्रभावशाली नेताओं में से एक थे। ब्रिटिश पत्रकार वैलेंटाइन शिरोल ने अपनी पुस्तक 'इंडियन अनरेस्ट' में तिलक को 'भारतीय अशांति का जनक' कहा था। उन्हें 'लोकमान्य' की उपाधि जनता द्वारा दी गई, जिसका अर्थ है – 'जनता द्वारा स्वीकृत नेता'।
- तिलक ने कहा था: **"स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा।"**
- यह नारा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अत्यंत प्रेरणास्पद और प्रसिद्ध हुआ।
- वे **लाल-बाल-पाल तिकड़ी** (लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, बिपिन चंद्र पाल) के सदस्य थे, जो कांग्रेस के गरम दल का हिस्सा थे।
- 1907 में सूरत अधिवेशन में कांग्रेस नरमपंथी और गरमपंथी दलों में विभाजित हो गई।
- 1908 में क्रांतिकारी गतिविधियों का समर्थन करने के कारण तिलक को राजद्रोह के आरोप में 6 वर्ष की सजा सुनाई गई और उन्हें म्यांमार (तत्कालीन बर्मा) के मांडले जेल में रखा गया। **वहीं पर उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'श्रीमद्भगवद्गीता रहस्य' लिखी।**
- राजद्रोह का एक अन्य मामला 1897 में उनके केसरी पत्र में प्रकाशित "देश का दुर्भाग्य" शीर्षक लेख के कारण दर्ज हुआ था, जिसके तहत उन्हें भारतीय दंड संहिता की धारा 124A के अंतर्गत सजा दी गई थी।
- शिक्षा क्षेत्र में योगदान हेतु तिलक ने 1884 में डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी की स्थापना की और 1885 में पुणे में फर्ग्यूसन कॉलेज की स्थापना में भूमिका निभाई।
- 1916 में एनी बेसेंट के साथ मिलकर 'ऑल इंडिया होम रूल लीग' की स्थापना की, जो स्वराज की मांग को जन आंदोलन में बदलने का प्रयास था। इसी काल में उन्हें व्यापक जनसमर्थन मिला और "लोकमान्य" उपाधि लोकप्रिय हुई।

अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

श्रीलंका के वास्काडुवा में अशोक स्तंभ की प्रतिकृति का अनावरण किया गया

- श्रीलंका के वस्काडुवा गाँव में स्थित सुभूति विहाराय मंदिर के पास 21 जुलाई 2025 को अशोक स्तंभ की एक प्रतिकृति का अनावरण किया गया है।
- इस स्तंभ की आधारशिला 28 जनवरी 2024 को भारत के उच्चायुक्त श्री सन्तोष झा और अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (IBC) के सचिव शार्टसे खेंसुर जुंगचुप चोडेन रिंपोछे द्वारा रखी गई थी।
- मंदिर प्रशासन ने इस स्तंभ को सम्राट अशोक के श्रीलंका में बौद्ध धर्म के प्रचार हेतु किए गए महान योगदान की स्मृति में स्थापित किया है।
- यह स्तंभ 18 महीनों में बनकर तैयार हुआ है, जिससे सम्राट अशोक के योगदान को श्रद्धांजलि दी जा सके जो अब तक कम याद किए जाते हैं।
- भारत के उच्चायुक्त ने इस अवसर पर कहा कि यह पहल भारत और श्रीलंका के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को और मजबूत करती है।
- सितंबर 2020 में भारत ने श्रीलंका के लगभग 10,000 बौद्ध मंदिरों और शिक्षा संस्थानों में सौर ऊर्जा उपकरणों की स्थापना के लिए 1.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता प्रदान की थी।
- भारत सरकार ने हाल ही में पाली भाषा को "शास्त्रीय भाषा" का दर्जा दिया है और भारतीय उच्चायोग प्राचीन पाली ग्रंथों जैसे 'नाममाला' और 'बलवठारो' के प्रकाशन को बढ़ावा दे रहा है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल की श्रीलंका यात्रा के दौरान भारत ने अनुराधापुरा पवित्र नगर परियोजना को समर्थन देने की घोषणा की और गुजरात के देवनीमोरी से भगवान बुद्ध के अवशेषों को श्रीलंका में प्रदर्शित करने की पेशकश की।
- इससे पहले भी भारत ने सारनाथ और कपिलवस्तु से पवित्र अवशेषों को श्रीलंका में श्रद्धालुओं के दर्शन हेतु भेजा था।
- जब हांगकांग में भगवान बुद्ध के अवशेषों की नीलामी की खबर आई, तब भारत सरकार ने तत्काल हस्तक्षेप कर इसे अवैध घोषित किया और उन अवशेषों को भारत वापस लाने की मांग की, क्योंकि ये अवशेष 1898 में पिपरहवा, उत्तर प्रदेश से प्राप्त हुए थे।
- अवशेषों की भारत वापसी के बाद श्रीलंका सहित दुनिया भर के श्रद्धालु उन्हें सम्मान देने के लिए भारत आ सकेंगे।
- वस्काडुवा स्थित श्री सुभूति विहाराय को इस स्तंभ स्थापना के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि यहां भगवान बुद्ध के असली अवशेष सुरक्षित रखे गए हैं, और इस मंदिर के महा नायक थेरो की भारत के प्रति विशेष श्रद्धा रही है।

कुनमिंग त्रिपक्षीय बैठक : चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच सहयोग का नया अध्याय

- चीन के कुनमिंग शहर में आयोजित कुनमिंग त्रिपक्षीय बैठक का उद्देश्य चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच बहुपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देना था। यह बैठक 9वीं चीन-दक्षिण एशिया प्रदर्शनी और 6वीं चीन-दक्षिण एशिया सहयोग बैठक के अवसर पर संपन्न हुई।
- बैठक में तीनों देशों ने व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा, समुद्री मामलों, बुनियादी ढांचे, संपर्क, कृषि, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, आपदा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन जैसे अनेक क्षेत्रों में सहयोग को प्रगाढ़ करने पर विचार-विमर्श किया।
- विशेषज्ञों का मानना है कि यह बैठक भारत के लिए कूटनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह भारत के पड़ोस में चीन के बढ़ते प्रभाव का संकेत देती है। हालांकि, बांग्लादेश ने स्पष्ट किया कि यह बैठक किसी भी देश के खिलाफ नहीं है और इसका उद्देश्य केवल परस्पर सहयोग को मजबूत करना है।
- बैठक के दौरान तीनों देशों ने आपसी विश्वास और समझ के आधार पर संभावित त्रिपक्षीय परियोजनाओं को आगे बढ़ाने और साझेदारी को और सशक्त करने का संकल्प व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को "श्रीलंका मित्र विभूषण" सम्मान प्रदान किया गया

- अप्रैल, 2025 को, भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुर कुमार डिसानायक द्वारा '**श्रीलंका मित्र विभूषण' सम्मान** से सम्मानित किया गया।
- यह सम्मान **श्रीलंका द्वारा विदेशी राष्ट्राध्यक्षों को दिया जाने वाला सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।** जो श्रीलंका द्वारा विदेशी नेताओं को विशेष योगदान के लिए प्रदान किया जाता है। **प्रधानमंत्री मोदी यह सम्मान प्राप्त करने वाले पहले भारतीय नेता बने हैं।**

  यह सम्मान भारत और श्रीलंका के बीच गहरे और विशेष मैत्रीपूर्ण संबंधों की पहचान है। भारत और श्रीलंका के बीच सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक संबंध सदियों पुराने हैं।

DFCC बैंक गिफ्ट सिटी में एनएसई IX पर बॉन्ड सूचीबद्ध करने वाली बनी पहली विदेशी संस्था

- 10 जून, 2025 को श्रीलंका के DFCC बैंक ने गिफ्ट सिटी में भारत के NSE इंटरनेशनल एक्सचेंज (NSE IX) पर ग्रीन बॉन्ड सूचीबद्ध करके, ऐसा करने वाला पहला विदेशी निगम बनकर इतिहास रचा।
- यह उपलब्धि श्रीलंका के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, और यह भारत के गिफ्ट सिटी को एक प्रमुख वैश्विक वित्तीय केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- इस बॉन्ड का आकार 2.5 बिलियन श्रीलंकाई रुपये है, और इसका उपयोग श्रीलंका में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा।

गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी)

- गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (Gujarat International Finance Tec-City) जिसे गिफ्ट सिटी भी कहा जाता है, भारत के गुजरात में अहमदाबाद महानगर क्षेत्र के अहमदाबाद के उपनगरीय शहर गांधीनगर जिले में निर्माणाधीन एक केंद्रीय व्यापारिक जिला है।
- इसे एक अग्रणी वैश्विक प्रौद्योगिकी और वित्तीय केंद्र के रूप में विकसित करने की परिकल्पना की गई है।

आर्थिक परिदृश्य

न्यूनतम शेष राशि दंड किया खत्म करने वाला देश का पहला सरकारी बैंक बना : केनरा बैंक

- केनरा बैंक ने सभी बचत खाता श्रेणियों के लिए न्यूनतम शेष राशि दंड से पूर्ण छूट लागू कर दी है, जिससे यह ऐसा करने वाला पहला प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक बन गया है।
- इसका मतलब है कि अब केनरा बैंक के ग्राहकों को अपने बचत खातों में एक निश्चित राशि बनाए रखने की आवश्यकता नहीं है, और न्यूनतम शेष राशि न रखने पर कोई जुर्माना नहीं लगेगा, यह नियम 1 जून, 2025 से लागू है।

क्रूज़ भारत मिशन

चर्चा में क्यों?

- *हाल ही में गुजरात, क्रूज भारत मिशन में शामिल होने वाला पहला राज्य बना है।*

क्रूज़ भारत मिशन

- क्रूज़ भारत मिशन, केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य भारत को एक प्रमुख क्रूज़ पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना है।
- यह मिशन न केवल क्रूज़ यात्रा को बढ़ावा देगा, बल्कि क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं को गति देने और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित करने का भी माध्यम बनेगा।
- याद रहे इस मिशन की औपचारिक शुरुआत 1 अक्टूबर, 2024 को मुंबई बंदरगाह से की गयी थी।
- **योजना के मुख्य उद्देश्य**
  - भारत में क्रूज़ पर्यटन का विस्तार
  - पर्यटन आधारित आर्थिक विकास को बढ़ावा देना
  - 2029 तक क्रूज़ यात्रियों की संख्या को दोगुना करना
  - 400,000 से अधिक रोजगार सृजित करना
- इसके लिए देश भर में 10 आधुनिक समुद्री क्रूज़ टर्मिनल, 100 अंतर्देशीय (नदी आधारित) क्रूज़ टर्मिनल और 5 विश्वस्तरीय मरीना स्थापित किए जाएंगे।
- योजना का कार्यान्वयन की तीन चरणों में होगा :
  - I. चरण 1 (2024–2025): बाजार की संभावनाओं का अध्ययन, रणनीतिक क्रूज़ गठबंधनों का निर्माण, मौजूदा टर्मिनलों का आधुनिकीकरण
  - II. चरण 2 (2025–2027): नए टर्मिनलों और प्रमुख क्रूज़ स्थलों का विकास, बुनियादी ढांचे में निवेश
  - III. चरण 3 (2027–2029): पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में क्रूज़ सर्किट का एकीकरण, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सेवाओं का विस्तार

मिशन के तहत महासागरीय क्रूज़, बंदरगाह आधारित पर्यटन, नदी क्रूज़ और अंतर्देशीय जलमार्गों के माध्यम से यात्रा को बढ़ावा दिया जाएगा।

नवा रायपुर, छत्तीसगढ़ में स्थापित होगा भारत का पहला AI-केंद्रित विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ)

- 27 मई, 2025 को भारत में पहला AI-केंद्रित विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) **नवा रायपुर, छत्तीसगढ़** में स्थापित करने की घोषणा की गई।
- इस SEZ का क्षेत्रफल लगभग **2.7 हेक्टेयर** होगा, जिसमें अत्याधुनिक **RackBank AI Data Center** विकसित किया जाएगा, जो लगभग **1.5 लाख वर्ग फुट** में फैला होगा।
- परियोजना में **₹1,000 करोड़** का निवेश प्रस्तावित है और इसे चार उच्च-घनत्व डेटा केंद्रों के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसकी कुल **80 मेगावाट** क्षमता तक विस्तार की योजना है।
- मुख्यमंत्री **विष्णुदेव साय** ने इस पहल को छत्तीसगढ़ के तकनीकी भविष्य के लिए "डिजिटल भारत की धड़कन" बताया और इसे युवाओं, आदिवासियों और किसानों के लिए **रोजगार एवं तकनीकी सशक्तिकरण** का महत्वपूर्ण आधार कहा।

राजस्थान के कोटा और ओडिशा के पुरी में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों को सैद्धांतिक मंजूरी

- केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने राजस्थान के कोटा और ओडिशा के पुरी में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों की स्थापना को सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान की है।

कोटा (राजस्थान) में हवाई अड्डा

- कोटा एक प्रमुख शैक्षणिक एवं औद्योगिक केंद्र है, जो हाड़ौती क्षेत्र की बढ़ती जनसंख्या और आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बन चुका है।
- प्रस्तावित हवाई अड्डा क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करेगा और कोटा को घरेलू ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक प्रमुख गंतव्य बनाने में मदद करेगा।
- यह निर्णय इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास और सभी नागरिकों के लिए हवाई यात्रा को सुलभ बनाने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पुरी (ओडिशा) में हवाई अड्डा

- पुरी भगवान जगन्नाथ जी का निवास है और भारत के सबसे प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है।
- हर वर्ष लाखों श्रद्धालु एवं पर्यटक देश-विदेश से यहाँ आते हैं।
- हवाई अड्डे की स्थापना से धार्मिक पर्यटन, क्षेत्रीय विकास और भौगोलिक संपर्क को व्यापक रूप से बल मिलेगा।
- यह परियोजना पुरी को देश के प्रमुख महानगरों से जोड़ने में सहायक होगी और ओडिशा के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

भारत की पहली AI इनेबल्ड गोल्ड मेल्टिंग मशीन (Gold ATM) हैदराबाद में लॉन्च की

- फिनटेक कंपनी गोल्डसिक्का ने भारत की पहली AI इनेबल्ड गोल्ड मेल्टिंग मशीन (Gold ATM) 4 मई, 2025 को हैदराबाद में लॉन्च की है।

  यह मशीन सोने के लेनदेन में एक अभूतपूर्व नवाचार है, जो उपयोगकर्ताओं को सोना खरीदने, बेचने, एक्सचेंज करने, पट्टे पर देने और डिजिटाइज़ करने की सुविधा प्रदान करती है।
- इस मशीन में एआई और ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) तकनीक का उपयोग किया गया है, जो सोने के मूल्यांकन को स्वचालित करती है और उपयोगकर्ताओं को आभूषणों को वर्चुअल रूप से आज़माने की सुविधा भी देती है।

केन्द्रीय बजट : 2025-26

- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी, 2025 को केन्द्रीय बजट 2025-26 पेश किया। यह उनका लगातार 8वां बजट था। बजट में विकास के चार इंजनों को रेखांकित किया गया है, जो इस प्रकार है-
  1. **कृषि**
  2. **सुक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (MSME)**
  3. **निवेश**
  4. **निर्यात**
- **केन्द्रीय बजट 2025-26 का थीम : सबका विकास**
- बजट के **थीम** के अनुरूप, वित्त मंत्री ने विकसित भारत के व्यापक सिद्धांतों को रेखांकित किया है, जो इस तरह से है -
  1. गरीबी से मुक्ति
  2. शत प्रतिशत अच्छे स्तर की स्कूली शिक्षा
  3. बेहतरीन, सस्ती और सर्वसुलभ स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच
  4. शत-प्रतिशत कुशल कामगार के साथ सार्थक रोजगार
  5. आर्थिक गतिविधियों में सत्तर प्रतिशत महिलाएँ
  6. हमारे देश को 'फूड बास्केट ऑफ द वर्ल्ड' बनाने वाले किसान

केन्द्रीय राजस्व एवं व्यय			
रुपया है आता		**रुपया जाता है**	
उधार और अन्य देयताएं	24 पैसे	केन्द्रीय प्रायोजित योजनाएं	8 पैसे
निगम कर	17 पैसे	केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाएं	10 पैसे
आय कर	22 पैसे	व्याज अदायगी	20 पैसे
सीमा शुल्क	4 पैसे	रक्षा	8 पैसे
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क	5 पैसे	आर्थिक सहायता	6 पैसे
जीएसटी और अन्य कर	18 पैसे	वित्त आयोग और अन्य अंतरण	8 पैसे
कर-भिन्न प्राप्तियां	9 पैसे	करों और शुल्कों में राज्यों का हिस्सा	22 पैसे
ऋण-भिन्न पूंजी प्राप्तियां	1 पैसे	पेंशन	4 पैसे
		अन्य व्यय	8 पैसे

बजट अनुमान :2025-26				
₹ करोड़ में	**2023-24 वास्तविक**	**2024-25 बजट अनुमान**	**2024-25 संसोधित अनुमान**	**2025-26 बजट अनुमान**
राजस्व प्राप्तियाँ	27,29,036	31,29,200	30,87,960	34,20,409
पूंजी प्राप्तियां	17,14,411	16,91,312	16,28,527	16,44,936
कुल प्राप्तियाँ	44,43,447	48,20,512	47,16,487	50,65,345
कुल व्यय	44,43,447	48,20,512	47,16,487	50,65,345
प्रभावी पूंजीगत व्यय	12,53,111	15,01,889	13,18,320	15,48,282
राजस्व घाटा	7,65,216	5,80,201	6,10,098	5,23,846
प्रभावी राजस्व घाटा	4,61,300	1,89,423	3,10,207	96,654
राजकोषीय घाटा	16,54,643	16,13,312	15,69,577	15,68,936
प्राथमिक घाटा	5,90,771	4,50,372	4,31,587	2,92,598

नई कर व्यवस्था में संशोधित टैक्स संरचना	
0-4 लाख रूपये	शून्य
4-8 लाख रूपये	5 प्रतिशत
8-12 लाख रूपये	10 प्रतिशत
12-16 लाख रूपये	15 प्रतिशत
16-20 लाख रुपये	20 प्रतिशत
20-24 लाख रुपये	25 प्रतिशत
24 लाख रुपये से अधिक	30 प्रतिशत

घाटे की प्रवृत्तियाँ (जीडीपी का प्रतिशत)	
राजकोषीय घाटा	**13.69 लाख करोड़ (GDP का 4.4%)**
राजस्व घाटा	5.24 लाख करोड़ (GDP को 1.5%)
प्राथमिक घाटा	2.93 लाख करोड़ (GDP का 0.8%)
प्रभावी राजस्व घाटा	0.97 लाख करोड़ (GDP का 0.3%)

कैसे खर्च होगा केंद्र सरकार का पैसा 2025-26 के लिए कुल बजट अनुमान (50,65,345 करोड रूपये)	
क्षेत्र	**व्यय अनुमान (करोड़ रूपये में)**
व्याज	12,76,338
परिवहन	5,48,649
रक्षा	4,91,732
प्रमुख सब्सिडी	3,83,407
पेशन	2,76,618
ग्रामीण विकास	2,66,817
गृह (संघ राज्य क्षेत्र सहित)	2,33,211
कर प्रशासन	1,86,632
कृषि और संबद्ध कार्यकलाप	1,71,437
शिक्षा	1,28,650
स्वास्थ्य	98,311
शहरी विकास	96,777
आईटी और दूरसंचार	95,298
ऊर्जा	81,174
बाणिज्य और उद्योग	65,553
वित्त	62,924
सामाजिक कल्याण	60,052
वैज्ञानिक विभाग	55,679
विदेश मामले	20,517
पुर्वतार का विकास	5,915

प्रमुख रिपोर्ट्स एवं सूचकांक

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO)

- हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने अपनी "वर्ल्ड एम्प्लॉयमेंट एंड सोशल आउटलुक (WESO): ट्रेंड्स 2025" रिपोर्ट जारी की, जिसके अनुसार वर्ष 2024 में वैश्विक बेरोज़गारी दर 5% के रिकॉर्ड निम्नतम स्तर पर रही।
- वैश्विक बेरोज़गारी दर 2024 में 5 % पर बनी रही, जो निकट ऐतिहासिक न्यूनतम स्तर है। यह दर 2025 में भी इसी स्तर पर रहने की उम्मीद है; 2026 तक यह 4.9 % तक गिर सकती है।
- युवा बेरोज़गारी (15–24 वर्ष) 12.6 % थी, जो उच्च-मध्यम आय वाले देशों में लगभग 16 % और निम्न-आय वाले देशों में करीब 8 % थी।
- वैश्विक आर्थिक विकास 2024 में 3.2 % रहा, जो 2023 के 3.3 % से हल्का गिरावट दर्शाता है।
- वैश्विक रोजगार अंतराल (जिन्हें नौकरी चाहिए पर नहीं मिली) 402 मिलियन था, जिसमें बेरोज़गार, हतोत्साहित और देखभाल में लगे लोग शामिल थे।
- अनौपचारिक श्रम बड़े हिस्से में रहा—विशेष रूप से उप-सहारा अफ्रीका में, जहाँ रोज़गार वैश्विक औसत से असुरक्षित था।
- हरित ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार बढ़ा: 2022 में 13.7 मिलियन से, 2023 में 16.2 मिलियन हुआ, लेकिन इसका 46 % हिस्सा चीन में केंद्रित था।
- महिला एवं बुज़ुर्ग श्रमिकों की भागीदारी उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में बढ़ी, जबकि निम्न–आय देशों में हिस्सेदारी घटने से वैश्विक रोजगार वृद्धि धीमी हुई।

सारांश तालिका

पहलू	2024 का आंकड़ा	टिप्पणी
वैश्विक बेरोज़गारी दर	5 %	ऐतिहासिक निचला स्तर
युवा बेरोज़गारी (15–24)	12.6 %	ऊपरी–मध्यम आय: 16 %, निचली–आय: 8 %
वैश्विक विकास दर	3.2 %	2023 में 3.3 % से थोड़ा कम
रोजगार अंतराल	402 मिलियन व्यक्ति	बेरोज़गार, हतोत्साहित, देखभाल आदि शामिल
हरित ऊर्जा में रोजगार	16.2 मिलियन (2023)	2022 की 13.7 मिलियन की तुलना में, 46 % चीन में

निष्कर्ष

- वैश्विक स्तर पर बेरोज़गारी दर स्थिर रूप से कम बनी हुई है, लेकिन युवा और अनौपचारिक श्रमिक समूहों में असमानता स्पष्ट है। आर्थिक वृद्धि धीमी हुई है तथा रोजगार अंतराल और क्षेत्रीय असमानताएँ बनी हुई हैं। वहीं, हरित ऊर्जा क्षेत्र में तेज़ी से अवसर बन रहे हैं, लेकिन लाभ असंतुलित रूप से वितरित हैं।

विश्व बैंक की पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ (PEB) रिपोर्ट का सारांश

चर्चा में क्यों?

- विश्व बैंक द्वारा अप्रैल 2025 में जारी गरीबी और समानता पर रिपोर्ट (PEB) के अनुसार,भारत ने 17.1 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकालने में सफलता प्राप्त की है।
- रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिदिन 2.15 अमेरिकी डॉलर से कम पर जीवन यापन करने वाले लोगों का अनुपात, जो कि अत्यधिक गरीबी का अंतर्राष्ट्रीय मानक है, वर्ष 2011-12 में 16.2% से गिरकर वर्ष 2022-23 में मात्र 2.3% रह गया है।
- भारत के लिये विश्व बैंक का गरीबी अनुमान, वर्ष 2011–12 के उपभोग व्यय सर्वेक्षण (CES) तथा वर्ष 2022–23 के घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण पर आधारित हैं।

पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ (PEB) रिपोर्ट

- पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ (PEB) रिपोर्ट को विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की वसंत तथा वार्षिक (Spring and Annual) बैठकों के दौरान वर्ष में दो बार जारी किया जाता है।
- पॉवर्टी और इक्विटी ब्रीफ (PEB) रिपोर्ट 100 से अधिक विकासशील देशों में गरीबी, असमानता और साझा समृद्धि से जुड़ी प्रवृत्तियों को दर्शाती है।
- इन ब्रीफ्स रिपोर्टस में गरीबी दर (poverty Rate) और गरीबों की कुल संख्या जैसे प्रमुख विकास संकेतकों से जुड़ा नवीनतम आँकड़ा प्रस्तुत किया जाता है। इसका मापन राष्ट्रीय गरीबी रेखाओं और अंतर्राष्ट्रीय मानकों दोनों के आधार पर किया जाता है-
  - **अंतर्राष्ट्रीय अत्यधिक गरीबी रेखा**: प्रति दिन 2.15 अमेरिकी डॉलर
  - **निम्न-मध्यम आय स्तर की रेखा**: प्रति दिन 3.65 अमेरिकी डॉलर
  - **उच्च-मध्यम आय स्तर की रेखा**: प्रति दिन 6.85 अमेरिकी डॉलर

विश्व बैंक की गरीबी और समानता पर संक्षिप्त रिपोर्ट के निष्कर्ष

ग्रामीण एवं शहरी गरीबी में कमी

- **अत्यधिक गरीबी आय स्तर**:
  - ग्रामीण क्षेत्रों में, **अत्यधिक गरीबी** वर्ष 2011-12 में 18.4% से गिरकर वर्ष 2022-23 में 2.8% हो गई।
  - इसी अवधि में शहरी केंद्रों में अत्यधिक गरीबी 10.7% से गिरकर 1.1% रह गई।
  - ग्रामीण और शहरी गरीबी के बीच अत्यधिक गरीबी का अंतर 7.7 प्रतिशत अंक से गिरकर 1.7 प्रतिशत अंक रह गया, वर्ष 2011-12 से वर्ष 2022-23 के बीच औसतन 16% की वार्षिक गिरावट दर्ज की गई।
- **निम्न-मध्यम-आय स्तर**:

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

खाम नदी

खबरों में क्यों?

- यह अपने पुनरुद्धार प्रयासों के लिए जानी जाती है, जो एक प्रदूषित नाले से एक संपन्न, जैव विविधता वाले रिवरफ्रंट में बदल गई है।

खाम नदी

- खाम नदी भारत के महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में स्थित एक मौसमी नदी है, जो विशेष रूप से औरंगाबाद शहर से होकर बहती है।
- यह नदी जटवाड़ा पहाड़ियों से निकलती है, औरंगाबाद से 8.8 किलोमीटर तक बहती है, और अंततः पैठण के नटशागर में गोदावरी नदी में मिल जाती है।
- नदी के किनारे 5 किलोमीटर का इकोपार्क विकसित किया गया है, जिसमें पुनर्जीवित मीठे पानी के तालाब, आर्द्रभूमि, पैदल पथ और एक एम्फीथियेटर शामिल हैं।

मिजोरम में खोजी गई ऑर्किड की नई प्रजाति Chamaegastrodia reiekensis

चर्चा में क्यों?

- नवीनतम वैज्ञानिक खोज में मिजोरम विश्वविद्यालय और मणिपुर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने मिजोरम के जंगलों में Chamaegastrodia reiekensis नामक ऑर्किड की एक नई और दुर्लभ प्रजाति की पहचान की है।
- यह खोज उत्तर-पूर्व भारत की जैव विविधता और रीयेक क्षेत्र (Reiek region) की पारिस्थितिकीय विशिष्टता को उजागर करती है।

खोज और पहचान

- यह नई प्रजाति मिजोरम की रीयेक चोटी के पास 1,500 मीटर की ऊँचाई पर पाई गई।
- यह पौधा नम, ह्यूमस-समृद्ध मिट्टी में उगता है और बांस के झुरमुटों के निकट पाया जाता है।
- वैज्ञानिकों द्वारा किए गए गहन स्वरूपीय (morphological) विश्लेषण से यह पुष्टि हुई कि यह Chamaegastrodia वंश की एक अलग और नई प्रजाति है।
- यह प्रजाति Chamaegastrodia वंश की अब तक ज्ञात आठवीं प्रजाति है।
- मिजोरम में Chamaegastrodia वंश का यह पहला रिकॉर्ड है।

वनस्पति विशेषताएँ

- Chamaegastrodia reiekensis में पत्तियाँ और क्लोरोफिल दोनों नहीं पाए जाते।
- यह पौधा पूर्णतः भूमिगत कवकों (फंगस) के साथ सहजीवी संबंध के माध्यम से पोषण प्राप्त करता है, जिससे यह होलोमाइकोट्रॉफिक (holomycotrophic) बनता है।
- प्रकाश संश्लेषण (photosynthesis) करने की इसकी कोई क्षमता नहीं होती।
- यह पौधा छोटे आकार का होता है और उसका रंग पर्यावरण से मेल खाता है, जिससे इसे जंगल में पहचानना मुश्किल होता है।
- यह प्रजाति अगस्त से सितंबर के बीच फूल देती है और सितंबर से अक्टूबर के बीच फल उत्पन्न करती है।
- इसका जीवनकाल और उपस्थिति बहुत संक्षिप्त होती है, जिससे इसके अध्ययन में कठिनाई होती है।

पारिस्थितिकीय महत्व

- रीयेक का वन क्षेत्र इंडो-बर्मा जैव विविधता हॉटस्पॉट का हिस्सा है।
- इस क्षेत्र में बहुस्तरीय वन संरचना, ऊँचे वृक्ष और घना अंडरस्टोरी वनस्पति मौजूद हैं।
- यहाँ का तापमान 20°C से 28°C के बीच और वार्षिक वर्षा 200 से 250 सेमी होती है।
- यह क्षेत्र विविध पौधों विशेषतः ऑर्किड प्रजातियों का समर्थन करता है।
- Chamaegastrodia reiekensis और हाल ही में खोजी गई एक अन्य प्रजाति Aeschynanthus reiekensis की खोज इस क्षेत्र की असाधारण पौध विविधता को दर्शाती है।

संरक्षण स्थिति और चुनौतियाँ

- Chamaegastrodia reiekensis को IUCN मापदंडों के अनुसार गंभीर रूप से संकटग्रस्त (Critically Endangered) की श्रेणी में रखा गया है।
- इसका संपूर्ण जीवन सहजीवी फंगस पर निर्भर है, जिससे यह पर्यावरणीय परिवर्तनों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बनता है।
- यदि इसके आवास में किसी भी प्रकार की क्षति या हस्तक्षेप हुआ, तो यह प्रजाति विलुप्त हो सकती है।
- इस प्रजाति के संरक्षण के लिए वन क्षेत्र की रक्षा और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

क्षेत्रीय जैव विविधता का महत्व

- उत्तर-पूर्व भारत विशेष रूप से ऑर्किड की विविधता के लिए जाना जाता है।
- मिजोरम में ही लगभग 273 ऑर्किड प्रजातियाँ 74 वंशों में पाई जाती हैं।
- Chamaegastrodia reiekensis की खोज इस क्षेत्र को वनस्पति अनुसंधान और संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करती है।
- यह खोज इस बात की आवश्यकता को भी रेखांकित करती है कि हमें इस क्षेत्र की अनोखी पारिस्थितिकी का और गहन अध्ययन करना चाहिए।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिक

अमेरिका ने भारत को हॉकआई 360 तकनीक की बिक्री को मंजूरी

- 4 मई, 2025 को, अमेरिका ने भारत की समुद्री निगरानी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए हॉकआई 360 तकनीक की बिक्री को मंजूरी दी है।
- यह सौदा 131 मिलियन डॉलर का है और इसमें सीविज़न सॉफ्टवेयर, प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता शामिल है।
- इस तकनीक से भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी समुद्री क्षेत्र जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

हॉकआई 360 तकनीक

- हॉकआई 360 एक अमेरिकी कंपनी है जो रेडियो फ्रीक्वेंसी (RF) डेटा एनालिटिक्स में विशेषज्ञता रखती है।
- यह कंपनी निम्न पृथ्वी कक्षा (LEO) में उपग्रहों का एक समूह संचालित करती है जो RF संकेतों का पता लगाने, उनका स्थान निर्धारण और विश्लेषण करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।
- इसका उपयोग मुख्यतः सैन्य खुफिया, समुद्री सुरक्षा और स्पेक्ट्रम निगरानी जैसे क्षेत्रों में किया जाता है।
- यह तकनीक जहाजों, विमानों, वाहनों और तटीय प्रणालियों से निकलने वाले RF संकेतों को ट्रैक करके समुद्री निगरानी में सहायता करती है।
- हॉकआई 360 डेटा को अन्य स्रोतों के साथ मिलाकर सशक्त विश्लेषणात्मक उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं।
- इसकी क्षमताओं को भू-आधारित और समुद्र-आधारित निगरानी प्रणालियों के साथ एकीकृत करके बढ़ाया जा सकता है।
- यह तकनीक बेहतर दृश्यता और तेज़ प्रतिक्रिया समय प्रदान करती है, जिससे राष्ट्रीय और सीमा सुरक्षा में मदद मिलती है।
- भारत ने अमेरिका से हॉकआई 360 तकनीक प्राप्त करने के लिए समझौता किया है, जिससे भारत की समुद्री जागरूकता, निगरानी क्षमता और प्रतिक्रिया समय में सुधार होगा।
- यह तकनीक भारत की हिंद-प्रशांत रणनीति को समर्थन देती है और उभरते समुद्री खतरों का मुकाबला करने के लिए महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी प्रदान करती है।

मल्टी-इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन (MIGM) का सफलतापूर्वक लड़ाकू परीक्षण

- 4 मई, 2025 को DRDO और भारतीय नौसेना ने स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और विकसित मल्टी-इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन (MIGM) का सफलतापूर्वक लड़ाकू परीक्षण (कम विस्फोटक के साथ) किया है।

मल्टी-इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन (MIGM)

- MIGM प्रणाली एक उन्नत अंडरवाटर नेवल माइन है और इसे आधुनिक स्टील्थ जहाजों और पनडुब्बियों के खिलाफ भारतीय नौसेना की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- मल्टी इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन समुद्री जहाजों द्वारा उत्पन्न ध्वनिक, चुंबकीय, दबाव जैसे प्रभावों को रिकॉर्ड करने के लिए कई सेंसर से लैस है।
- इसमें एक अंतर्निर्मित इलेक्ट्रॉनिक्स प्रणाली है जिसमें ARM प्रोसेसर के साथ डेटा अधिग्रहण इलेक्ट्रॉनिक्स और डेटा को संसाधित करने और वांछित कार्रवाई शुरू करने के लिए कमांड उत्पन्न करने के लिए परिधीय उपकरण शामिल हैं।
- DRDO के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने कहा, इस सत्यापन परीक्षण के साथ, यह प्रणाली अब भारतीय नौसेना में शामिल होने के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री मोदी ने दाहोद में भारतीय रेलवे के सबसे ताकतवर 9000 HP इलेक्ट्रिक इंजन को दिखाई हरी झंडी, 'मेक इन इंडिया' का नया कीर्तिमान

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के दाहोद में 9000 हॉर्सपावर (HP) के इलेक्ट्रिक इंजन को हरी झंडी दिखाई, जहां इस अत्याधुनिक इंजन का निर्माण किया गया है। भारतीय रेलवे के लिए विकसित अब तक के **सबसे शक्तिशाली** और सिंगल-यूनिट **(Single Unit)** इलेक्ट्रिक इंजन है।
- इससे पहले **मालगाड़ियों में 4500 HP या 6000 HP क्षमता वाले इंजन ही प्रयोग में लाए जाते** थे।
- इस 9000 HP इंजन की शुरुआत भारतीय रेलवे में एक नए युग की शुरुआत मानी जा रही है। यह तेज, किफायती और स्थायी माल ढुलाई को बढ़ावा देगा।
- रेलवे मंत्रालय के अनुसार, पहले 12,000 HP के इंजन दो 6000 HP इंजनों को जोड़कर बनाए जाते थे। लेकिन यह नया इंजन अकेले ही अत्यधिक शक्ति प्रदान करता है, जिससे लंबी और भारी मालगाड़ियां चलाना आसान होगा।
- इस इंजन से रेलवे कम ट्रिप में अधिक माल ले जा सकेगा, जिससे समय की बचत और भीड़भाड़ में कमी आएगी। साथ ही, यह लॉजिस्टिक प्रबंधन को और बेहतर बनाएगा।
- यह तकनीक भीड़भाड़ वाले हाई डेंसिटी फ्रेट रूट्स पर ट्रैफिक का दबाव कम करने में मदद करेगी। इससे ऑपरेटिंग लागत, स्टाफ की आवश्यकता और ऊर्जा खपत में भी कमी आएगी।
- यह इंजन 'मेक इन इंडिया' पहल का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। इस परियोजना में प्रयुक्त 89% पुर्जे भारत में ही निर्मित हैं। इससे यह 'मेक इन इंडिया' और 'मेक फॉर वर्ल्ड' दोनों दृष्टिकोणों पर खरी उतरती है।
- इसका निर्माण उसी दाहोद फैक्ट्री में हुआ है जिसकी नींव प्रधानमंत्री मोदी ने 2022 में रखी थी। इस फैक्ट्री का निर्माण Siemens इंडिया के साथ साझेदारी में किया गया है। यहां कुल 1,200 आधुनिक इलेक्ट्रिक इंजन तैयार किए जाएंगे।
- दाहोद की यह फैक्ट्री ग्रीन एनर्जी से संचालित होती है और 'ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग' टैग से सम्मानित है।
- यह फैक्ट्री ब्रॉड गेज के साथ-साथ स्टैंडर्ड गेज इंजन भी बनाएगी, जिन्हें निर्यात के लिए तैयार किया जाएगा।

भारत में रोबोटिक प्रणाली से दुनिया की पहली हृदय संबंधी टेलीसर्जरी सफल

- 11 जनवरी, 2025 को भारत में चिकित्सा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई, जब दुनिया की पहली हृदय संबंधी टेलीसर्जरी को रोबोटिक प्रणाली के माध्यम से सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

- यह प्रतिमा 81 फीट (25 मीटर) उच्च आधार भवन पर खड़ी है, जिससे इसकी कुल ऊँचाई 206 फीट (63 मीटर) हो जाती है।
- **यह भारत की चतुर्थ सर्वोच्च मूर्ति है।**
- मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने 19 जनवरी 2024 को प्रतिमा का अनावरण किया।

स्टैच्यू ऑफ वननेस (एकात्मता की प्रतिमा)

- मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के ओंकारेश्वर में सरयू नदी के किनारे मांधाता पर्वत पर स्थित 108 फीट ऊँची 'स्टैच्यू ऑफ वननेस' आदि शंकराचार्य की प्रतिमा है।
- एकात्मकता की प्रतीक इस प्रतिमा को 'स्टैच्यू ऑफ वननेस' का नाम दिया गया है।
- नोट- ओंकारेश्वर में स्थित ओंकार पर्वत पर अद्भुत और अलौकिक आध्यात्मिक लोक 'एकात्म धाम' का निर्माण किया जा रहा है।

स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी (समानता की मूर्ति)

- यह हैदराबाद के मुचिन्तल में चिन्ना जीयार ट्रस्ट के परिसर में स्थित 216 फीट (65.5 मी.) ऊँची 'स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी' संत श्री **रामानुजाचार्य** की प्रतिमा है।
- यह 'पंचलोहा' से बनी है, जिसमें पांच धातुओं – सोना, चांदी, तांबा, पीतल और जस्ता का मिश्रण है।
- इस मूर्ति को उनके जन्म के 1000 वर्ष के उपलक्ष्य में बनाया गया है।
- यह 11 वीं शताब्दी के वैष्णव संत थे। जिन्होंने धार्मिक निष्ठा, जाति और पंथ सहित जीवन के सभी क्षेत्रों में समानता के विचार को बढ़ावा दिया था।

स्टैच्यू ऑफ नॉलेज

- 14 अप्रैल 2023 को महाराष्ट्र के लातूर में 70 फुट ऊँची 'स्टैच्यू ऑफ नॉलेज' डॉ. बी. आर. अंबेडकर की प्रतिमा को स्थापित किया गया।

स्टैच्यू ऑफ प्रॉस्पेरिटी / समृद्धि की मूर्ति

- बेंगलुरू (कर्नाटक) में स्थित 108 फीट ऊँची 'स्टैच्यू ऑफ प्रोस्पेरिटी' श्री नाथ प्रभु कैंपेगौड़ा (बेंगलुरू के संस्थापक) की प्रतिमा है।
- 'स्टैच्यू ऑफ प्रॉस्पेरिटी' 98 टन कांस्य और 120 टन स्टील से बनी है।
- इस प्रतिमा के मूर्तिकार राम वी. सुतार है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'समृद्धि की मूर्ति' का उद्घाटन किया।

केम्पे गौड़ा

- नादप्रभु हिरिये केम्पे गौड़ा को केम्पे गौड़ा के नाम से भी जाना जाता है।
- वह विजयनगर साम्राज्य के अधीन एक सरदार था।
- कर्नाटक की राजधानी, बेंगलुरु को 1537 में केम्पे गौड़ा द्वारा दृढ़ किया गया था।
- उन्होंने इस क्षेत्र में कई कन्नड़ शिलालेख बनवाए।
- केम्पे गौड़ा अब तक के सबसे सुशिक्षित शासकों में से एक थे।

स्टैच्यू ऑफ पीस

- जैन आचार्य विजय वल्लभ सुरीश्वर जी महाराज के 151वीं जयंती के अवसर पर स्थापित की गयी।
- राजस्थान के पाली जिले के जैतपुरा में स्थित विजय वल्लभ साधना केंद्र में स्थापित है।
- 151 इंच (27 फुट) ऊँची, अष्टधातु निर्मित मूर्ती, जिसे 'स्टैच्यू ऑफ पीस' का नाम दिया गया है।

जैन आचार्य विजय वल्लभ सुरीश्वर जी महाराज

- जैन धर्म के श्वेताम्बर सम्प्रदाय के सन्त, जिनका जन्म 1870 में गुजरात के बड़ोदा में हुया था।
- ये स्वयं खादी धारण करते थे और आजादी के समय हुये स्वदेशी आन्दोलन में सक्रीय रहे।
- ये आजादी के समय पाकिस्तान में थे, पस्तु सितम्बर 1947 को लोट आये।
- इन्होने आचार्य महावीर जैन विश्वविद्यालय समेत अनेक शैक्षिणक संस्थानों की स्थापना में सहयोग दिया तथा स्वम 50 से अधिक शैक्षिक सस्थानों की स्थापना की। इन संस्थाओ ने स्त्री शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- इनके उपदेशों से प्रभावित होकर, लोगो ने इन्हे **पंजाब केसरी** की उपाधि दी। जैन सम्प्रदाय के उत्थान और उसकी शिक्षाओं को फैलाने के अपने कार्यों के लिये उन्हे **'युग प्रधान'** कहा जाने लगा।

राज्य सरकारों की योजनाएँ : 2023-24

उत्तर प्रदेश

डिजिटल डॉक्टर क्लिनिक योजना

- ये क्लीनिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की तरह काम करेंगे, जहां ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंस के ज़रिए डॉक्टरों से सलाह ली जा सकेगी। साथ ही, दवाइयां और प्रयोगशाला सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। अर्थात ये शाखाएं परामर्श और विशेष केंद्र दोनों की सुविधाएँ प्रदान करेगा।
- डिजिटल डॉक्टर क्लिनिक का परीक्षण पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर किया जा रहा है, इसके तहत लखनऊ और बुलंदशहर में कुल 20 केंद्रों को खोला जाएगा। पायलट प्रोजेक्ट के सफल होने के बाद इसे पूरे राज्य में लागू किया जाएगा।
- राज्य सरकार का लक्ष्य निजी निवेश के माध्यम से दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच में सुधार करना है। इस पहल के तहत गंभीर बीमारियों के लिए रियायती दरों पर चिकित्सा परामर्श, दवाइयां और पैथोलॉजी जांच उपलब्ध कराई जाएगी।
- सरकार ने इस परियोजना के लिए ओबडू ग्रुप के साथ 3350 करोड़ रुपये का एमओयू साइन किया है।
- यह परियोजना ग्रामीण तथा सुदूर क्षेत्र के स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरस्त करेगी, जिससे झोलाछाप डॉक्टरों के लापरवाही से होने वाली मृत्यु दर को काम किया जा सकेगा।
- इसके साथ ही यह योजना न केवल ग्राम पंचायत तक सीमित रहेगी बल्कि इसे तहत ब्लॉक स्तर पर भी 20 से 50 बेड के अस्पताल बनाकर ग्रामीणों को सरकारी योजनाएं जैसे - आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिया जाएगा।
- डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक परियोजना न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि देश की ऐसी पहली योजना है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ब्लॉकचेन जैसी तकनीक का इस्तेमाल कर ग्रामीण तथा सुदूर क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना (शुरुआत - 25 अक्टूबर 2019)

- **मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत दी जाने वाली राशि को 15000 के स्थान पर 25000 देने की घोषणा की गई है।**

- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही एक योजना है, जिसका उद्देश्य लड़कियों के जन्म को प्रोत्साहित करना, बालिकाओं के स्वास्थ्य और शिक्षा को बढ़ावा देना, और उन्हें सशक्त बनाना है। यह योजना बालिकाओं के जन्म के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने और बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं को रोकने में भी मदद करती है।
- पात्रता
  - ✓ उत्तर प्रदेश का निवासी परिवार, जिसकी वार्षिक आय 3 लाख रुपये से कम हो, योजना के लिए पात्र है।
  - ✓ परिवार में अधिकतम 2 बच्चे हों।
  - ✓ एक परिवार में अधिकतम दो बेटियां ही योजना का लाभ उठा सकती हैं।
- योजना के तहत, बालिकाओं को कुल **25,000 रुपये की राशि 6 किस्तों में दी जाती है**, जो सीधे उनके बैंक खाते में जमा की जाती है।
  1. प्रथम क़िस्त (जन्म के समय) : 5,000 रुपये
  2. दूसरी क़िस्त (टीकाकरण के बाद) : 2,000 रुपये
  3. तीसरी क़िस्त (कक्षा 1 में प्रवेश पर) : 3,000 रुपये
  4. चौथी क़िस्त (कक्षा 6 में प्रवेश पर) : 3,000 रुपये
  5. पांचवी क़िस्त (कक्षा 9 में प्रवेश पर) : 5,000 रुपये
  6. अंतिम क़िस्त (10वीं/12वीं पास करने और स्नातक/डिप्लोमा में प्रवेश लेने पर) : 7,000 रुपये

पंचामृत योजना

- इसका उद्देश्य गन्ने की खेती में नई तकनीक का प्रयोग कराना है।

नंद बाबा दुग्ध मिशन योजना

- दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उत्पादकों को उचित मूल्य पर दुग्ध बेचने का अवसर हेतु।

नंदिनी कृषक समृद्धि योजना

- गोवंशीय पशुओं के दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने और किसानों की आमदनी दोगुनी करने के लिए

बाल श्रमिक विद्या योजना

- 8 से 18 वर्ष की आयु में बाल श्रमिकों, अनाथों, श्रमिकों के बच्चों को स्कूली शिक्षा हेतु।

युवा उद्यम विकास अभियान योजना
सेफ सिटी परियोजना
बाल श्रमिक विद्या योजना

मध्य प्रदेश

लाडली बहना योजना

- इसका तहत गरीब बहनों को प्रतिमाह 1000 रू. की आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी।

लाडली लक्ष्मी योजना 2.0

- बालिकाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए।

मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना

- यह योजना 18 से 29 वर्ष के युवाओं के लिए शुरू की गई है। इसके तहत चयनित उम्मीदवारों को प्रशिक्षण के साथ 8 से 10 हजार का भत्ता मिलेगा।

मुख्यमंत्री कृषक मित्र योजना

- किसानों को खेतों में सिंचाई के लिए 50% सब्सिडी पर 3 हॉर्सपावर का कृषि पंप प्रदान करना।

मॉब लिंचिंग पीड़ित प्रतिकर योजना

- मॉब लिंचिंग की घटना में पीड़ित की मौत होने पर परिवार को 10 लाख का मुआवजा।

ई-स्कूटी योजना

- इसके तहत स्कूल में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली। छात्र-छात्रा को स्कूटी दी जायेगी।

मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना

- इसमें 18 वर्ष की उम्र के बाद अनाथ बच्चों को प्रतिमाह 5000 रु. की सहायता दी जायेगी।

छतीसगढ़

महत्वपूर्ण व्यक्ति

निधन

जून 2025

1. विजय रूपाणी

- **निधन :** 12 जून 2025
- गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का 12 जून, 2025 को अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया AI-171 विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से अहमदाबाद में निधन हो गया है।
- एयर इंडिया AI-171 विमान में कुल कुल 242 यात्री सवार थे जिसमे से 241 यात्रीओं की मृत्यु हो गयी।
- विजय रूपाणी अपनी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों से मिलने के लिए लंदन जा रहे थे।
- इनका जन्म 1956 में म्यांमार के यांगून में हुआ था। वे बचपन में अपने परिवार के साथ गुजरात के राजकोट चले गए और सौराष्ट्र विश्वविद्यालय में कानून की पढ़ाई की।
- उन्होंने 2016 से 2021 के बीच दो कार्यकालों में गुजरात के मुख्यमंत्री का पद संभाला।
- RSS और ABVP के साथ अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत करने वाले रूपाणी को 1976 में आपातकाल विरोधी आंदोलन के दौरान जेल जाना पड़ा था।
- 2006 में राज्यसभा के लिए चुने गए।
- 2014 में जब राजकोट (पश्चिम) में उपचुनाव जीते और आनंदीबेन पटेल सरकार में मंत्री बनाए गए।
- 2016 में पहली बार गुजरात के मुझे मंत्री चुने गए।

2. उस्ताद गुलाम नबी शाह

- **निधन :** 11 जून 2025
- उस्ताद गुलाम नबी शाह, जिन्हें "हमले बुलबुल" के नाम से भी जाना जाता था, एक प्रसिद्ध कश्मीरी लोक गायक थे जिनका हाल ही में निधन हो गया।
- उन्हें कश्मीरी लोक संगीत और संस्कृति में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता था, और 2011 में शेर-ए-कश्मीर शेख मोहम्मद अब्दुल्ला पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- शाह अपने भावपूर्ण गायन, सारंगी पर महारत और "ग्लास" नृत्य प्रदर्शन के लिए प्रसिद्ध थे, जिसमें वे अपने सिर पर पानी का गिलास रखकर जटिल नृत्य करते थे।
- वे पारंपरिक कश्मीरी लोक नृत्य, बाचा नगमा में भी माहिर थे।

3. दाजी पंशीकर

- **निधन :** 7 जून 2025
- प्रख्यात विद्वान, लेखक और साहित्य समालोचक दाजी पणशीकर का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- उन्होंने महाराष्ट्र के ठाणे स्थित अपने निवास पर अल्पकालिक बीमारी के बाद अंतिम सांस ली।
- उनके निधन को महाराष्ट्र की सांस्कृतिक, धार्मिक और बौद्धिक विरासत के एक युग का अंत माना जा रहा है।
- दाजी पणशीकर को महाभारत, एकनाथी भागवत, और भावार्थ रामायण के विद्वान व्याख्याकार के रूप में जाना जाता था।
- वे सांस्कृतिक शिक्षा से गहराई से जुड़े थे और उनके प्रवचन बौद्धिक व आध्यात्मिक दृष्टि से समृद्ध माने जाते थे।
- उन्होंने मराठी साहित्य और सांस्कृतिक विमर्श को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- वे महाराष्ट्र की प्रसिद्ध संस्था 'नाट्यसंपदा' में सक्रिय रूप से जुड़े रहे।
- उन्होंने पटकथा लेखन, कलाकारों का मार्गदर्शन और आध्यात्मिक-सांस्कृतिक नाटकों के निर्माण में योगदान दिया।
- दाजी पणशीकर को साहित्यिक विद्वता और दार्शनिक गहराई के संगम के रूप में पहचाना जाता था।
- उन्होंने महाकाव्य साहित्य को जनमानस तक पहुँचाने का कार्य किया।
- वे गुरु-शिष्य परंपरा के एक प्रमुख सूत्रधार माने जाते थे।
- महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन्हें श्रद्धांजलि दी और उन्हें भारतीय संत परंपरा का दीपस्तंभ बताया। उन्होंने दाजी पणशीकर को भारत की सांस्कृतिक पुनर्जागरण परंपरा का प्रतिनिधि माना।

मई 2025

4. वाल्मीकि थापर

- **निधन :** 31 मई 2025
- वाल्मीकि थापर एक प्रसिद्ध भारतीय प्रकृतिवादी, वन्यजीव विशेषज्ञ और लेखक थे, जिनका 31 मई, 2025 को निधन हो गया।
- वह "टाइगर मैन" के नाम से जाने जाते थे और उन्होंने भारत में बाघों के संरक्षण के लिए बहुत काम किया था।
- वह 14 पुस्तकों और कई लेखों के लेखक थे, और टेलीविजन के लिए कई कार्यक्रमों के निर्माता थे।

5. मलूर रमास्वामी श्रीनिवासन (M. R. Srinivasan)

- **निधन :** 20 मई 2025
- डॉ. मालूर रामास्वामी श्रीनिवासन, परमाणु ऊर्जा आयोग (AEC) के पूर्व अध्यक्ष और भारत के परमाणु कार्यक्रम के अग्रदूत का निधन हो गया। उनके साथ ही भारतीय परमाणु ऊर्जा के एक अद्वितीय युग का अंत हुआ।
- श्रीनिवासन वर्ष 1955 में परमाणु ऊर्जा विभाग (DAE) में शामिल हुए और डॉ. होमी जहाँगीर भाभा के अधीन कार्य किया तथा भारत के पहले परमाणु रिएक्टर अप्सरा में योगदान दिया।
- उन्होंने तारापुर में भारत के पहले परमाणु ऊर्जा स्टेशन के लिये प्रधान परियोजना इंजीनियर और बाद में मद्रास परमाणु ऊर्जा स्टेशन के लिये मुख्य परियोजना इंजीनियर के रूप में कार्य किया।
- वह भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (NPCIL) के संस्थापक-अध्यक्ष बने और उनके नेतृत्व में 18 परमाणु ऊर्जा इकाइयों का विकास किया गया।

- वे पूर्व उप-प्रधानमंत्री देवीलाल के बेटे थे।
- ओम प्रकाश चौटाला को 2013 में एक भर्ती मामले से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में दोषी ठहराया गया था।
- यह सजा उनके राजनीतिक करियर के लिए एक बड़ा झटका थी, क्योंकि फैसले के बाद वे चुनाव नहीं लड़ सके। चौटाला को जुलाई 2021 में तिहाड़ जेल से रिहा किया गया था।

43. उस्ताद जाकिर हुसैन

- **निधन :** 15 दिसम्बर 2024
- 1951 में मुंबई में जन्मे प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन का अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल में निधन हो गया है। ये महान तबला वादक अल्लाह रक्खा के बेटे थे।
- 1973 में, उन्होंने अपना पहला एल्बम 'लिविंग इन द मैटेरियल वर्ल्ड' लॉन्च किया। उनके योगदान को संगीत जगत हमेशा याद रखेगा।
- इन्होने भारत और दुनिया भर में एक अलग पहचान बनायी है।
- हुसैन ने अपने करियर में **पांच ग्रेमी पुरस्कार प्राप्त किए** हैं, जिनमें **से तीन बर्ष 2024 की शुरुआत में 66वें ग्रेमी पुरस्कार में मिले थे।**
- इन्हें 1988 में पद्म श्री, 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उनके योगदान को संगीत जगत हमेशा याद रखेगा।
- **इनके प्रमुख एलबम्स**
  - Face to Face (1977)
  - Planet Drum (1991)
  - Soundscapes: Music of the Desert (1993)
  - Ustad Amjad Ali Khan and Zakir Hussain (1994)
  - Remembering Shakti (1995)
  - Saaz (1998)
  - The Tree of Rhythm (2002)
  - Global Drum Project (2007)
  - As We Speak (2023)

44. एस. एम. कृष्णा (सोमनाहल्ली मल्लैया कृष्णा)

- **निधन :** 10 दिसम्बर, 2024
- कर्नाटक के पूर्व सीएम (1999 से 2004)
- वर्ष 2004 से 2008 तक महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे।
- 2009 में केंद्र में विदेश मंत्री रहे।

नवम्बर 2024

45. शशि रुदया

- **निधन :** 26 नबम्बर 2024
- एस्सार समूह के चेयरमैन

46. जॉन टिनिसवुड

- **निधन :** 25 नवंबर 2024
- दुनिया के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति थे।
- 112 वर्ष और 91 दिन की आयु

47. हरजीत सिंह बेदी

- **निधन :** 21 नबम्बर 2024
- सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस
- उन्हें 15 मार्च 1991 को **पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश** और 8 जुलाई 1992 को **स्थायी न्यायाधीश नियुक्त** किया गया।
- उन्हें 3 अक्टूबर 2006 को **बॉम्बे उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश** और 12 जनवरी 2007 को **भारत के सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश** नियुक्त किया गया।
- वे 2011 में सेवानिवृत्त हुए।

48. रानी मिकासा

- **निधन :** 15 नबम्बर 2024
- जापान के पुराने शाही परिवार की सदस्य
- 101 वर्ष की आयु में निधन

49. कमलाराव

- **निधन :** 11 नबम्बर 2024
- *अंग्रेजी अभिनेता*
- वे टेलीविजन और फिल्म दोनों में अपनी बहुमुखी भूमिकाओं के लिए जाने जाते थे।

50. गणेशन महादेवन

- **निधन :** *9 नवंबर 2024*
- प्रसिद्ध तमिल अभिनेता ***गणेशन महादेवन का निधन हो गये, इन्हें स्टेज नाम दिल्ली गणेश के नाम से जाना जाता था***।
- इन्होने ज़्यादातर तमिल सिनेमा और धारावाहिकों में सहायक भूमिकाएँ निभाई। इन्होने 400 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया था।

51. पंडित राम नारायण

- **निधन :** 9 नबम्बर 2024
- प्रसिद्ध सारंगी वादक
- उन्हें हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत में एकल संगीत सारंगी वादन ने लोकप्रिय बनाया और प्रथम अन्तरराष्ट्रीय सारंगीवादक बने।
- **सम्मान**
  - ✓ उन्हें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।
  - ✓ मध्य प्रदेश सरकार द्वारा **कालिदास सम्मान और आदित्य विक्रम बिड़ला कलाशिखर पुरस्कार** से भी सम्मानित किया गया था।
  - ✓ 1976 – पदम् श्री
  - ✓ 1991 – पदम् भूषण
  - ✓ 2005 - **पद्म विभूषण**
  - ✓ 2007 में, "**पंडित रामनारायण - सारंगी के संग**" नामक जीवनी पर आधारित फिल्म भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में प्रदर्शित की गई थी।
  - ✓ उदास को फिल्म नाम (1986) में गायकी से प्रसिद्धि मिली, जिसमें उनका एक गीत "**चिट्ठी आई है**" काफी लोकप्रिय हुआ था।

खेल परिदृश्य

7वाँ , खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025

- 4 से 15 मई 2025 तक सरकार की **खेलो इंडिया पहल के तहत**, खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का **7वाँ संस्करण बिहार के पाँच ज़िलों (पटना, राजगीर, बेगूसराय, गया और भागलपुर)** में आयोजित किया गया। जबकि तीन प्रमुख **स्पर्द्धाएँ- जिमनास्टिक, शूटिंग और साइकिलिंग, नई दिल्ली** में आयोजित की गईं थी ।
- **शुभंकर :** गजसिम्हा (हाथी की ताकत और शेर के साहस का प्रतीक)
- **थीम: खेल के रंग , बिहार के संग**
- यह आयोजन **27 खेलों में संपन्न** हुआ, जिसमें कुल **285 स्वर्ण पदक प्रदान किये** गये।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ता प्रमुख राज्य

स्थान	राज्य	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल पदक
1	महाराष्ट्र	58	47	53	158
2	हरियाणा	39	27	51	117
3	राजस्थान	24	12	24	60
4	कर्नाटक	17	26	15	58
5	दिल्ली	16	20	32	68
6	तमिलनाडु	15	21	29	65
7	उत्तर प्रदेश	14	20	18	52
8	केरल	12	5	8	25
9	मणिपुर	11	8	11	30
10	मध्य प्रदेश	10	9	13	32

नोट- यह पहली बार है जब बिहार ने इतने अधिक पदक जीते।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स (KIYG)

- खेलो इंडिया यूथ गेम्स (KIYG) भारत सरकार द्वारा संचालित एक राष्ट्रीय स्तर की बहु-विषयक खेल प्रतियोगिता है, जिसका आयोजन स्कूली और कॉलेज स्तर के छात्रों के लिए किया जाता है।
- इस प्रतियोगिता की शुरुआत वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री द्वारा नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी एरिना में खेलो इंडिया स्कूल गेम्स के रूप में की गई थी।
- वर्ष 2019 में इसका नाम बदलकर 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' कर दिया गया।
- यह कार्यक्रम भारत सरकार की खेलो इंडिया योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।
- इसका प्रमुख उद्देश्य देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और ज़मीनी स्तर की प्रतिभाओं की पहचान और विकास सुनिश्चित करना है।
- खेलो इंडिया यूथ गेम्स दो श्रेणियों में आयोजित किए जाते हैं
  1. 17 वर्ष से कम आयु के स्कूली छात्र।
  2. 21 वर्ष से कम आयु के कॉलेज विद्यार्थी।

पांचवा खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025

आयोजन	लेह (लद्दाख) एवं गुलमर्ग (जम्बू कश्मीर) दो चरणों में
शुभंकर	हिम तेंदुआ (सीन-रा-सी) शान
कुल शामिल खेल	6
कुल टीमें	19
प्रथम चरण (23-27 जनवरी 2025)	
प्रथम स्थान	लद्दाख (कुल 7 पदक) (4 स्वर्ण, 2 रजत, 1 कांस्य)
दूसरा स्थान	तमिलनाडु
तीसरा स्थान	महाराष्ट्र
द्वितीय चरण (9-12 मार्च 2025)	
प्रथम स्थान	भारतीय सेना
दूसरा स्थान	हिमांचल प्रदेश
तीसरा स्थान	लद्दाख

38वाँ राष्ट्रीय खेल 2025

- ओलंपिक से प्रेरित भारत का अपना मल्टी-स्पोर्ट इवेंट नेशनल गेम्स के 38वें संस्करण में 28 राज्यों, आठ केंद्र शासित प्रदेशों और सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी - सेना के जवानों की एक टीम) के एथलीटो ने 32 विभिन्न खेलों में भाग लिया।
- याद रहे मलखंब और योगासन को शुरुआत में प्रदर्शन कार्यक्रम के रूप में घोषित किया गया था, लेकिन बाद में इसे पूर्ण पदक वाले खेलों में अपग्रेड कर दिया गया। **मलखंब और योगासन पहली बार शामिल किये गये।**
- आयोजन : **38 वें राष्ट्रीय खेलों का आयोजन 28 जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक उत्तराखंड में किया गया।**
- **थीम : ग्रीन गेम्स**
- **मशाल का नाम : तेजस्विनी**
- शुभंकर : मौली (उत्तराखंड के राज्य पक्षी मोनाल से प्रेरित)
- आदर्श वाक्य : संकल्प से शिखर तक

38वाँ राष्ट्रीय खेलों में राज्यों का प्रदर्शन 2025

रैंक	राज्य/केंद्र शासित राज्य/टीम	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज़	कुल
1	सर्विसेज़ स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड	68	26	27	121
2	महाराष्ट्र	54	71	76	201
3	हरियाणा	48	46	57	153
4	कर्नाटक	34	18	28	80
5	मध्य प्रदेश	33	26	23	82
7	उत्तराखंड	24	35	44	103
13	उत्तर प्रदेश	13	20	23	56
15	राजस्थान	9	11	23	43
17	झारखंड	7	6	12	25
21	चंडीगढ़	4	6	9	19
22	हिमाचल प्रदेश	4	3	8	15
25	छत्तीसगढ़	3	4	9	16
29	बिहार	1	6	5	12
33	सिक्किम (अंतिम)	0	0	2	2

अक्टूबर	5 अक्टूबर	राष्ट्रीय डॉल्फिन दिवस
	8 अक्टूबर	भारतीय वायुसेना दिवस
	11 अक्टूबर	अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस
	15 अक्टूबर	विश्व छात्र दिवस (एपीजे अब्दुल कलाम)
	20 अक्टूबर	विश्व सांख्यिकी दिवस
	24 अक्टूबर	संयुक्त राष्ट्र दिवस
	31 अक्टूबर	राष्ट्रीय एकता दिवस (सरदार पटेल)
	31 अक्टूबर	इंदिरा गांधी की पुण्य तिथि
नवंबर	1 नवंबर	विश्व शाकाहारी दिवस
	3 नवंबर	अंतर्राष्ट्रीय बायोस्फीयर रिजर्व दिवस
	10 नवंबर	विश्व विज्ञान दिवस
	11 नवंबर	राष्ट्रीय शिक्षा दिवस
	12 नवंबर	राष्ट्रीय पक्षी दिवस
	14 नवंबर	बाल दिवस, विश्व मधुमेह दिवस
	15 नवंबर	जनजातीय गौरव दिवस (बिरसा मुंडा)
	24 नवंबर	शहादत दिवस (गुरू तेग बहादुर)
	25 नवंबर	नो नॉन-वेज डे (उत्तर प्रदेश)
	26 नवंबर	राष्ट्रीय विधि दिवस (संविधान दिवस)
दिसंबर	1 दिसंबर	विश्व एड्स दिवस
	2 दिसंबर	विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस
	4 दिसंबर	भारतीय नौसेना दिवस
	5 दिसंबर	विश्व मृदा दिवस
	6 दिसंबर	मैत्री दिवस (भारत-बांग्लादेश)
	7 दिसंबर	झंडा दिवस
	10 दिसंबर	अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस
	14 दिसंबर	राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण / विश्व ऊर्जा दिवस
	22 दिसंबर	राष्ट्रीय गणित दिवस (श्री रामानुजन)
	23 दिसंबर	किसान दिवस (चौधरी चरण सिंह)
	24 दिसंबर	राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस
	25 दिसंबर	सुशासन दिवस / क्रिसमस डे
	26 दिसंबर	वीर बाल दिवस

प्रमुख दिवसों के बारे में

जुलाई

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस (1 जुलाई)

- यह दिन प्रसिद्ध चिकित्सक और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर बिधान चंद्र रॉय की जयंती और पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
- साल 1991 में पहली बार इस दिन को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के रूप में मनाया गया था।

विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई)

- 11 जुलाई को वैश्विक जनसंख्या मुद्दों और सतत विकास के लिए जनसंख्या चुनौतियों से निपटने के महत्व पर ध्यान आकर्षित करने के लिए मनाया जाता है।
- उद्देश्य स्वस्थ मानव जाति और ग्रह के संतुलन पर केंद्रित होता है।

मलाला दिवस (12 जुलाई)

- मलाला यूसुफजई का सम्मान करता है, जो लड़कियों की शिक्षा के लिए बहादुरी से लड़ती है

विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस (World Day for International Justice) (17 जुलाई)

- विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस प्रतिवर्ष 17 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय न्याय, उत्तरदायित्व और मानवाधिकारों की रक्षा के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता को प्रकट करने के उद्देश्य से मनाया जाता है।
- यह दिन अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्याय की भूमिका को रेखांकित करता है तथा यह दर्शाता है कि विश्व समुदाय गंभीर अपराधों के विरुद्ध एकजुट होकर कार्य कर रहा है।

विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस के उद्देश्य

- इस दिवस का प्रमुख उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय अपराधों के विरुद्ध वैश्विक स्तर पर न्याय की स्थापना करना है, जिनमें युद्ध अपराध, नरसंहार और मानवता के विरुद्ध अपराध प्रमुख हैं।
- यह दिन युद्ध, हिंसा, उत्पीड़न, और मानवाधिकार उल्लंघन का शिकार हुए व्यक्तियों को न्याय दिलाने की वैश्विक प्रतिबद्धता को सशक्त करता है।
- इस दिवस का एक अन्य उद्देश्य मानवाधिकारों की रक्षा करना तथा विधिक और न्यायिक संस्थानों की भूमिका को मजबूत करना है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय कानून का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।
- यह दिवस यह संदेश देता है कि अपराधियों की जवाबदेही तय करना ही शांति, स्थिरता और मानव गरिमा की पुनःस्थापना का मार्ग है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- 17 जुलाई 1998 को इटली की राजधानी रोम में एक ऐतिहासिक सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें "रोम संविधि (Rome Statute)" को अपनाया गया।
- रोम संविधि वह कानूनी दस्तावेज है जिसके तहत "अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (International Criminal Court - ICC)" की स्थापना का आधार बना।
- यह न्यायालय विश्व के उन व्यक्तियों पर मुकदमा चलाता है, जो युद्ध अपराध, नरसंहार, आक्रामकता और मानवता के विरुद्ध अपराध जैसे गंभीर मामलों में दोषी पाए जाते हैं।
- रोम संविधि को अपनाए जाने की स्मृति में, वर्ष 2010 में युगांडा की राजधानी कंपाला में आयोजित एक समीक्षा सम्मेलन में यह निर्णय लिया गया कि 17 जुलाई को प्रतिवर्ष "विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस" के रूप में मनाया जाएगा।

कारगिल विजय दिवस (26 जुलाई)

- 26 जुलाई, 1999 को तीन महीने के संघर्ष के बाद भारतीय सैनिकों ने ये जीत हासिल की।
- युद्ध में भारत की जीत, भारतीय सैनिकों की बहादुरी और बलिदान का सम्मान करने के लिए हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय मैंग्रोव दिवस (26 जुलाई)

- अंतर्राष्ट्रीय मैंग्रोव दिवस 26 जुलाई को मनाया जाता है। यह दिन मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसके संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।
- अंतर्राष्ट्रीय मैंग्रोव दिवस 2015 में यूनेस्को द्वारा अपनाया गया था और पहली बार 2016 में मनाया गया था।
- **2025 की थीम** - तटीय जैव विविधता और जलवायु बफर

29 सितम्बर	2024	विश्व हृदय दिवस	हृदय स्वास्थ्य के लिए हृदय का उपयोग करें
28 सितम्बर	2024	विश्व रेबीज दिवस	रेबीज समाप्ति अभियान
27 सितम्बर	2024	विश्व पर्यटन दिवस	Tourism and Peace
8 सितम्बर	2024	अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस	बहुभाषा शिक्षा को बढ़ावा देना
29 अगस्त	2024	राष्ट्रीय खेल दिवस	शारीरिक और मानसिक समाजों संबंधों के लिए खेल
23 अगस्त	2024	राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस	चंद्रमा को छूते हुए जीवन रेखा : भारत की अंतरिक्ष गाथा
11 जुलाई	2024	विश्व जनसंख्या दिवस	किसी को पीछे न छोड़ें, किसी की गिनती करें
1 जुलाई	2024	राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस	Healing Hands, Caring Hearts

राज्य का स्थापना दिवस	
राज्य	स्थापना दिवस
गोवा	30 मई (37वां)
हिमाचल प्रदेश	25 जनवरी, 2025 (55वां)
अरुणाचल प्रदेश	20 फरवरी, 2025 (38वां)
मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा	21 जनवरी
झारखंड	15 नवम्बर
तेलंगाना	2 जून
गुजरात तथा महाराष्ट्र	1 मई
मिजोरम	20 फरवरी
सिक्किम	16 मई

माह / पखवाड़ा / सप्ताह

माह / पखवाड़ा / सप्ताह	समय	थीम
ऑपरेशन नया सवेरा	31 जुलाई से 14 अगस्त 2025	
पोषण पखवाडा 2025 (7वां संस्करण)	8 - 22 अप्रैल 2025	यह महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित एक अभियान है, जो 15 दिनों तक चलता है और पोषण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाता है।
राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह	4-10 मार्च 2025	विकसित भारत के लिए सुरक्षा और कल्याण महत्वपूर्ण
विश्व अन्तरधार्मिक सद्भाव सप्ताह	1-7 फरवरी 2025	शांति के लिए एकजुट होना
हिन्दी पखवाड़ा	1 - 15 सितम्बर	प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को 'हिन्दी दिवस' मनाया जाता है और 1 सितम्बर से 15 सितम्बर तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया जाता है।
7वाँ राष्ट्रीय पोषण माह	1 - 30 सितम्बर	
विश्व अंतरिक्ष सप्ताह	4 -10 अक्टूबर, 2024	अंतरिक्ष और जलवायु परिवर्तन
राष्ट्रीय पोषण सप्ताह	1-7 सितम्बर, 2024	सभी के लिए पौष्टिक आहार
भारत जल सप्ताह	17-20 सितम्बर 2024	समावेशी जल विकास और प्रबंधन के लिए साझेदारी
विश्व जल सप्ताह	25-29 अगस्त, 2024	सीमाओं को पाटना : शांतिपूर्ण और सतत भविष्य के लिए जल
विश्व स्तनपान सप्ताह	1-7 अगस्त, 2024	अंतर को कम करना सभी के लिए स्तनपान समर्थन
भारत ऊर्जा सप्ताह	69 फरवरी, 2024	**विकास, सहयोग, परिवर्तन** (आयोजन स्थल – गोवा)
राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह	11-17 जनवरी, 2024	सड़क सुरक्षा नायक बनें

संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित वर्ष

बर्ष	UN द्वारा घोषित बर्ष
2029	क्षुद्रग्रह जागरूकता और ग्रह रक्षा का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2027	सतत एवं लचीले पर्यटन का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2026	चरागाह भूमि और चरवाहों का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2026	**अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष**
2026	सतत विकास के लिए स्वयंसेवकों का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2025	क्वांटम विज्ञान और प्रौद्योगिकी का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2025	ग्लेशियरों का संरक्षण का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2025	शांति और सहकारिता का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2024	कैमलिड्स का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2023	अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष
2023	शांति की गारंटी के रूप में संवाद का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2022	अंतरराष्ट्रीय शिल्प मत्स्य पालन और जलकृषि वर्ष
2022	कांच का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2022	अंतर्राष्ट्रीय सतत पर्वतीय विकास वर्ष
2022	सतत विकास के लिए बुनियादी विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2021	शांति और विश्वास का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2021	सतत विकास के लिए रचनात्मक अर्थव्यवस्था का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2021	सहकारी समितियों का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष
2021	फलों और सब्जियों का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष

पुस्तकें एवं लेखक

पुस्तक	लेखक
द बुक ऑफ नाड	मनोज वी. जैन
'द वन क्रिकेट, माई लाइफ एंड मोर (आत्मकथा)	शिखर धवन
भारत: उपमहाद्वीप पर 5000 वर्ष का इतिहास	ऑड्रे टुश्के
टू द सेवेंथ जेनरेशन : द जर्नी ऑफ क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज वेल्लोर	Dr. V. I. मथन
मार्च ऑफ ग्लोरी	के अरूमुगम एवं एरोल डी-कुज
द न्यू आइकन : सावरकर एंड द फैक्ट्स (31 जनवरी 2024 को प्रकाशित)	अरूण शौरी
सौमित्रा चटर्जी: द लिगेसी ऑफ अपु एंड बियोंड	संघमित्रा चक्रवर्ती
द वर्ल्ड आफ्टर गाजा	पंकज मिश्रा
जम्मू-कश्मीर एंड लद्दाख थ्रू द एजेस	रघुवेन्द्र तन्वर
द अनयिलडिंग जज	A.N. ग्रोवर
खाकी में स्थितप्रज्ञ	अनिल रतुड़ी
मानसून	अभय K.
मेड इन इंडिया : 75 इयर्स ऑफ बिजनेस एंड एंटरप्राइज	अमिताभ कांत
माय बिलवेड लाइफ	अमिताव कुमार
पिचसाइड : माई लाइफ इन इंडियन क्रिकेट	अमृत माथुर
आजादी : स्वतंत्रता, फासीवाद, कल्पना	अरूंधती रॉय
ए फ्लाई ऑन द आरबीआई वॉल	अल्पना किलावाला
बिहार के गांधी नीतीश कुमार	अशोक चौधरी एवं शांभवी चौधरी
द डायरी ऑफ ए क्रिकेटर्स वाइफ	पूजा पुजारा
जनता की कहानी-मेरी आत्मकथा	बंडारू दत्तात्रेय
रामानुजन : जर्नी ऑफ ए ग्रेट मैथमेटिशियन	अरूण सिंघल देवेंद्र शर्मा
ऑरिजिनल सिन	जैक टैपर तथा एलेक्स थॉम्पसन
नैरेटिवस ऑफ द बेंच	एन. वी. रमना
रिवर्स स्विंग	अशोक टंडन
मास्टर रेजिडेंसियल रियल स्टेट	अश्विंदर आर सिंह
स्कल्प्टेड स्टोन : मिस्ट्रीज ऑफ मामल्लापुरम	अश्विन प्रभु
मास्टर रेसिडेंसियल रियल स्टेट	अश्विनदर सिंह
गट्स एमिडस्ट ब्लडबैथ	आदित्य भूषण
जस्ट ए मर्सिनरी	RBI के पूर्व गवर्नर D. सुब्बाराव
एड फाइंडस ए होम	आलिया भट्ट
कारगिल : एक यात्री की जुबानी	ऋषि राज
भारत के वित्त मंत्री	A. K. भट्टाचार्य
गांधी ए लाइफ इन श्री कैंपेन्स	M. J. अकबर
माउंटेन मैमल्स ऑफ द वर्ल्ड	M. K. K. रंजीत सिंह
द डे आई बिकम ए रनर	S. चट्टोपाध्याय
फ्रॉर्म ए कार शेड टू द कॉर्नर	S. रमन
लियो : द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ़ चेन्नई सुपर किंग्स	P.S. रमन
इंडियाज फॉरेन पॉलिसी	कल्लोल भट्टाचार्जी
इंडिया @ 100	K. V. सुब्रमण्यम
बिल्डिंग पार्टनरशिप	कैप्टन हिमाद्री दास
कोल्ड ब्लडेड लव	गिरीश दत्त शुक्ला
द कॉन्सपिरेसी	गोटबाया राजपक्षे
एन अनकॉमन लव: द अर्ली लाइफ ऑफ सुधा एंड नारायण मूर्ति	चित्रा बनर्जी
वेस्टर्न लेन	चेतना मारू
भारत से ग्राफिक डिजाइन के लिए प्रेरणाएं	जया जेटली
रिंगसाइड	जिय दर्डा
वेलकम टू पैराडाइज	टूविंकल खन्न
पावर विदिन : द लीडरशिप लिगेसी ऑफ नरेन्द्र मोदी	डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम
सिंधिया और 1857	डॉ. राकेश पाठक
डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मेमोरिज नेवर डाइज	डॉ. Y. S. राजन
दो पलकों की छाँव में	डॉ. हेमा जोशी
द बुक ऑफ कंपैशन	दलाई लामा और कैलाश सत्यार्थी
कृष्णा द 7th सेंस	देबाशीष चटर्जी
हाउ प्राइम मिनिस्टर्स डिसाइड	नीरजा चौधरी
कॉल ऑफ द गिर	परिमल नाथवानी
महा स्वप्निकुडु	P. विक्रम
हेवेनली आइलैंड्स ऑफ गोवा	पीएस श्रीधरन पिल्लई
बेसिक स्ट्रक्चर एंड रिपब्लिक	पीएस श्रीधरन पिल्लई
हेरिटेज ट्रीज ऑफ गोवा	पीएस श्रीधरन पिल्लई
मनोज बाजपेयी : द डेफिनेटिव बायोग्राफी	पीयूष पांडे
नए भारत का सामवेद विमोचन	पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द
नाइन यार्ड सारीज	प्रशांति राम
सोर्स कोड: माई बिगिनिंग्स	बिल गेट्स
द पावर ऑफ वन थॉट	B. K. शिवानी
भारत के 75 महान क्रांतिकारी	भीम सिंह (राज्यसभा सांसद)
कारगिल वार: द टर्निंग प्वाइंट	मगोद बसप्पा रवींद्रनाथ
फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी	मनोज मुकुंद नरवने
संस्कृति के आयाम	मनोरम मिश्रा

भारत के अन्य देशों के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास

पैसेज अभ्यास (PASSEX)

- भारतीय नौसेना और यूके रॉयल नेवी ने, 9 और 10 जून 2025 को **उत्तरी अरब सागर** में एक पैसेज अभ्यास (PASSEX) का आयोजन किया।
- PASSEX उन संयुक्त नौसैनिक अभ्यासों को कहा जाता है जो मित्र देशों की नौसेनाओं के बीच तब किये जाते हैं जब उनके अभियानों का मार्ग एक-दूसरे से मिलता है।
- इसका उद्देश्य समुद्र में पारस्परिक संचालन क्षमता, संचार और रणनीतिक सहयोग को मज़बूत करना होता है।

DUSTLIK

- DUSTLIK, अभ्यास का 6th संस्करण, भारत और उज्बेकिस्तान के बीच आयोजित किया गया।
- भारत और उज्बेकिस्तान के बीच बारी-बारी से आयोजित किया जाने वाला एक वार्षिक द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास है।
- यह अभ्यास 16 से 28 अप्रैल, 2025 तक पुणे, भारत में आयोजित हुआ।
- अभ्यास दुस्तलिक का उज्बेक भाषा में अर्थ है- **दोस्ती**
- इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सैन्य सहयोग को मजबूत करना और रक्षा संबंधों को गहरा करना है।

अभ्यास टाइगर ट्रायम्फ 2025

- अभ्यास टाइगर ट्रायम्फ 2025, भारत और अमेरिका के बीच एक संयुक्त त्रि-सेना (थल, वायु और नौसेना) अभ्यास है, जो 1 से 13 अप्रैल 2025 तक भारत के पूर्वी तट पर विशाखापट्टनम और काकीनाडा के तटीय क्षेत्र पर आयोजित किया गया।
- यह अभ्यास मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) अभियानों में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित है।
- इसअभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के बीच इंटरऑपरेबिलिटी (सामंजस्य) को बढ़ाना, संयुक्त संकट प्रतिक्रिया प्रक्रिया विकसित करना और संयुक्त समन्वय केंद्र (CCC) की स्थापना करना है।
- इससे पहले यह अभ्यास वर्ष 2019, 2021 और 2022 में भी आयोजित हो चुका है।

इंद्रा 2025

- इंद्रा 2025 एक द्विवार्षिक भारत-रूस नौसेना अभ्यास है, जिसका 14वां संस्करण 28 मार्च से 2 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया गया था।
- यह अभ्यास भारत **के चेन्नई तट** पर आयोजित किया गया था, जिसमें बंदरगाह और समुद्री दोनों चरण शामिल थे।
- इसका उद्देश्य भारत और रूस के बीच समुद्री सहयोग और अंतर-संचालन को बढ़ाना है।

सी ड्रैगन 2025 अभ्यास

- सी ड्रैगन 2025 अभ्यास पश्चिमी प्रशांत महासागर में गुआम तट पर 4 मार्च से 19 मार्च, 2025 तक चला।
- सी ड्रैगन एक्सरसाइज एक वार्षिक बहुराष्ट्रीय पनडुब्बी रोधी युद्ध (एएसडब्ल्यू)अभ्यास है, जिसका उद्देश्य भारत-प्रशांत क्षेत्र में सहयोगी देशों के बीच समुद्री सुरक्षा और सहयोग को मजबूत करना है।
- यह अभ्यास अमेरिका के नेतृत्व में आयोजित किया जाता है, और इसमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया और अमेरिका जैसे देश भाग लेते हैं।
- सी ड्रैगन अभ्यास का मुख्य उद्देश्य भाग लेने वाले देशों की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं को बढ़ाना है, जिससे वे समुद्री खतरों का प्रभावी ढंग से मुकाबला कर सकें।
- यह अभ्यास वर्ष 2019 में प्रारम्भ हुआ। जिसमे संयुक्त राज्य अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने भाग लिया।
- 2020 से इस अभ्यास में जापान, दक्षिण कोरिया और न्यूजीलैंड शामिल हुआ।
- भारतीय नौसेना इस अभ्यास में 2021 से भाग ले रही है।

CINBAX-I

- CINBAX-I भारतीय थल सेना और कंबोडियाई सेना के बीच पहला संयुक्त सैन्य अभ्यास है, जो 1 से 8 दिसंबर, 2024 तक विदेशी प्रशिक्षण नोड, पुणे (महाराष्ट्र) में आयोजित किया गया।
- यह अभ्यास संयुक्त आतंकवाद-रोधी (CT) अभियानों की योजना बनाने, अंतर-संचालन को बढ़ाने और दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देने पर केंद्रित था।
- इस अभ्यास में प्रत्येक सेना से 20 कार्मिक शामिल थे।

हरिमऊ शक्ति 2024

- हरिमऊ शक्ति" 2024 भारत और मलेशिया की सेनाओं के बीच एक संयुक्त सैन्य अभ्यास है, जो 2 से 15 दिसंबर, 2024 तक मलेशिया के पहांग जिले के बेंटोंग कैंप में आयोजित किया गया था।
- यह हरिमऊ शक्ति अभ्यास का चौथा संस्करण था।
- भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व महार रेजिमेंट की एक बटालियन ने किया था।
- अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाना, सामरिक ज्ञान का आदान-प्रदान करना और आपसी विश्वास को मजबूत करना था।

'गरुड़ शक्ति' अभ्यास

- 'गरुड़ शक्ति' संयुक्त सैन्य अभ्यास का 9वां संस्करण 1 से 12 नवंबर 2024 तक भारत और इंडोनेशिया के बीच सिजानतुंग, जकार्ता (इंडोनेशिया) में आयोजित किया गया था।
- इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के विशेष बलों के बीच आपसी समझ, सहयोग और अंतर-संचालन को बढ़ाना है।
- भारतीय सेना की ओर से पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) के 25 कर्मियों ने भाग लिया, जबकि इंडोनेशियाई सेना की ओर से कोपासस (Kopassus) के 40 कर्मियों ने भाग लिया।

- श्रेणी-3 या उससे ऊपर पहुँचने वाले उष्णकटिबंधीय चक्रवातों को गंभीर क्षति पहुँचाने के कारण प्रमुख उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

11. ऑपरेशन करूणा (मई 2023)

- भारत सरकर (भारतीय नौसेना) द्वारा चक्रवात मोचा से प्रभावित म्यांमार की सहायता के लिए।
- 18 मई को भारतीय नौसेना के तीन जहाज INS शिवालिक, INS कमोर्ता और INS सावित्री, आपातकालीन राहत सामग्री के साथ यांगून पहुंचे।

चक्रवात मोचा

- चक्रवात मोचा को आईएमडी द्वारा एक अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफान 'सुपर साइक्लोन' के रूप में वर्गीकृत किया गया है
- चक्रवात मोचा को आईएमडी द्वारा एक अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफान और वैश्विक मौसम वेबसाइट जूम अर्थ द्वारा 'सुपर साइक्लोन' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

12. ऑपरेशन कनविक्शन

- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा यौन उत्पीड़न तथा धर्मांतरण को कम करने एवं इसमें संलिप्त अपराधियों के गिरफ्तारी हेतु चलाया जा रहा है।
- इसमें रेप, हत्या, लूट, डकैती, धर्मांतरण और गोकशी जैसे अपराध शामिल है, जो सूबे के सभी 75 जिलों के लिए है
- इसके तहत महज 30 दिनों के अंदर जांच खत्म करके अपराधियों को सजा दिलाने का लक्ष्य रखा गया है।

13. ऑपरेशन राइजिंग सन

- राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) द्वारा शुरू किया गया।
- ऑपरेशन राइजिंग सन, का उद्देश्य सोने की तस्करी को रोकना और सोने की तस्करी सिंडिकेट को उजागर करना है।

14. ऑपरेशन बांबी बकेट

- उत्तराखंड के नैनीताल के जंगल की आग से निपटने के लिए भारतीय वायु सेना ने बांबी बकेट ऑपरेशन शुरू किया।
- इसके तहत वायुसेना, हेलीकॉप्टर के माध्यम से पानी का छिड़काव करके आग को बुझाने में सहायता कर रही है
- **नोट -** बांबी बकेट, एक विशेष कंटेनर होता है जिसे हेलिकॉप्टर के नीचे लटकाकर नदी या तालाब से इसमें पानी भरा जाता है, फिर कंटेनर के तल पर लगे एक वाल्व की सहायता से आग से प्रभावित क्षेत्र के उपर पानी का छिड़काव करते हैं।
- ऐसे क्षेत्र जहाँ थल मार्ग द्वारा पहुँचना मुश्किल है, उन क्षेत्रों में बांबी बकेट विशेष रूप से फायदेमंद है।
- बांबी बकेट को हेलीकॉप्टर बाल्टी भी कहा जाता है।

15. ऑपरेशन मर्यादा (15 जुलाई 2021)

- ऑपरेशन मर्यादा के तहत उत्तराखंड पुलिस द्वारा तीर्थों और इसके आसपास नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले तीर्थयात्रियों और पर्यटकों से इस क्षेत्र की मर्यादा बनाने का अनुरोध किया जाता है।
- हुड़दंग करने वाले और मादक पदार्थों का सेवन करने वालों के खिलाफ पुलिस चालान के साथ-साथ मुकदमा भी दर्ज कर रही है।

16. ऑपरेशन संकल्प

- भारतीय नौसेना ने इसके तहत ईरानी जहाज 'अल कंबर' और 23 पाकिस्तानी नागरिकों को समुद्री लुटेरों से बचाया।

17. ऑपरेशन इंद्रावती

- मार्च 2024 में भारत सरकार ने हिंसाग्रस्त कैरेबियाई देश हैती में फंसे भारतीयों को पड़ोसी देश डोमिनिकन गणराज्य में स्थानांतरित करने के लिए 'ऑपरेशन इंद्रावती' शुरू किया।
- लगभग 60 भारतीय नागरिकों ने भारत लौटने के लिए भारतीय अधिकारियों के पास पंजीकरण कराया है। (याद रहे हैती में भारत का कोई राजनयिक दूतावास नहीं है। वर्तमान में हैती में ऑपरेशन इंद्रावती, पड़ोसी देश डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सैंटो डोमिंगो में स्थित भारतीय राजनयिक की निगरानी में चलाया जा रहा है।

हैती एवं वर्तमान में जारी में संकट के बारे में

- हैती कैरेबियाई द्वीप हिस्पानियोला के पश्चिमी एक-तिहाई हिस्से पर स्थित है, जबकि शेष भाग डोमिनिकन गणराज्य के अंतर्गत आता है। (हिस्पानियोला, द्वीप क्यूबा के बाद दूसरा सबसे बड़ा पश्चिमी द्वीप समूह का द्वीप है।)
- यह एक पूर्व फ्रांसीसी उपनिवेश था, जिसने 1804 में स्वतंत्रता प्राप्त की। स्वतंत्रता के बाद से ही देश राजनीतिक अस्थिरता, हिंसा और गरीबी से ग्रस्त रहा है। यह कैरेबियाई क्षेत्र का सबसे गरीब देश माना जाता है।
- तानाशाह फ्रेंकोइस डुवेलियर के शासन में हिंसक और संगठित गिरोहों का उदय हुआ, जो अब काफी शक्तिशाली हो चुके हैं।
- 2021 में राष्ट्रपति जोवेनेल मोइस की हत्या उनके आधिकारिक आवास पर अज्ञात हमलावरों ने कर दी थी। इसके बाद एरियल हेनरी ने अंतरिम प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति की जिम्मेदारी संभाली।
- देश में गिरते प्रशासनिक नियंत्रण और बढ़ती हिंसा को देखते हुए अक्टूबर 2023 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने केन्याई नेतृत्व में एक बहुराष्ट्रीय सुरक्षा बल को हैती भेजने को मंजूरी दी।
- वर्तमान में आपराधिक गिरोह राजधानी **पोर्ट-ऑ-प्रिंस** सहित देश के बड़े हिस्से पर नियंत्रण बनाए हुए हैं। ये गिरोह एरियल हेनरी के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं और लगातार हिंसक प्रदर्शन कर रहे हैं।
- देश में लगभग पूरी तरह अराजकता फैल चुकी है और प्रशासनिक व्यवस्था न के बराबर है।
- आम नागरिकों का जीवन संकट में है, बड़ी संख्या में लोग मारे जा रहे हैं और मानवीय संकट गहराता जा रहा है।

18. ऑपरेशन कामधेनु

भारत एवं विश्व में प्रथम : 2023-25

- भारत का पहला AI संचालित स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम हाल ही में दिल्ली में लॉन्च किया गया।
- पहला एफपीवी 'आदम्या' भारतीय तट रक्षक बल में गोवा में शामिल किया गया।
- हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025 की महिला श्रेणी का पहला खिताब ओडिशा ने जीता।
- WHO द्वारा मलेरिया मुक्त प्रमाणित होने वाला अमेजन क्षेत्र का पहला देश सूरीनाम बना।
- अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को मान्यता देने वाला पहला देश रूस बना।
- स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय कार्यालय यूएई में खोला।
- नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 का पहला संस्करण बेंगलुरु में हुआ।
- GIFT सिटी में प्रवेश पाने वाला यूएई का मशरेक बैंक पहला विदेशी बैंक बना।
- आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन से राशन वितरण शुरू करने वाला पहला राज्य हिमाचल प्रदेश बना।
- UPI का उपयोग करने की अनुमति देने वाला पहला कैरेबियाई देश त्रिनिदाद और टोबैगो बना।
- 'INS गुलदार' महाराष्ट्र में भारत का पहला जलमग्न संग्रहालय बनेगा।
- गूगल ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र का पहला और विश्व का चौथा सुरक्षा इंजीनियरिंग केंद्र हैदराबाद में खोला।
- सभी शहरी स्थानीय निकायों को एक पोर्टल से जोड़ने वाला पहला राज्य मध्य प्रदेश बना।
- एमसी-एसटी उम्मीदवारों के लिए विशेष पीएचडी प्रवेश अभियान शुरू करने वाला पहला IIT - IIT दिल्ली बना।
- दक्षिण कोरिया ने 64 वर्षों में अपना पहला असैन्य रक्षा मंत्री नियुक्त किया।
- भारत का पहला ऑफ-ग्रिड ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट अडाणी ग्रुप ने गुजरात में शुरू किया।
- AI आधारित उन्नत ट्रैफिक सिस्टम से लैस होने वाला पहला एक्सप्रेसवे द्वारका एक्सप्रेसवे बना।
- बिहार का पहला न्यूक्लियर रिएक्टर नवादा में बनाया जाएगा।
- भारत का पहला बटरफ्लाई सैंक्चुअरी केरल में स्थापित किया गया।
- पहली बार खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स का आयोजन डल झील में होगा।
- भारत की पहली क्यूआर-आधारित डिजिटल हाउस एड्रेस प्रणाली इंदौर ने शुरू की है।
- भारत में पहली निजी अंतरिक्ष-आधारित इंटरनेट सेवा शुरू करने की अनुमति अनंत टेक्नोलॉजीज को मिली है।
- भारतीय नौसेना की पहली महिला फाइटर पायलट आस्था पूनिया बनी हैं।
- हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम पर स्टार पाने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री दीपिका पादुकोण बनी हैं।
- थाईलैंड के संवैधानिक न्यायालय ने हाल ही में प्रधानमंत्री को पद से निलंबित किया है।
- भारत सरकार ने पंजाब से कतर और यूएई को गुलाब की खुशबू वाली लीची का पहली बार निर्यात शुरू किया है।
- दुर्लभ एल्विनो "सूरजमुखी" गिलहरी पहली बार राजस्थान में देखी गई है।
- समुद्री सहयोग को बढ़ावा देने के लिए 'एट सी ऑब्जर्वर मिशन' क्वाड द्वारा शुरू किया गया है।
- पहली आसियान-भारत क्रूज वार्ता चेन्नई में आयोजित की गई है।
- फिनटेक कंपनी स्लाइस ने भारत की पहली UPI-संचालित बैंक शाखा बेंगलुरु में लॉन्च की है।
- भारत की पहली क्वांटम कम्प्यूटिंग वैली जनवरी 2026 तक आंध्र प्रदेश में शुरू होगी।
- नासा के एयर-स्पेस प्रोग्राम को पूरा करने वाली पहली भारतीय डागेटी जाह्नवी बनी हैं।
- बिली जीन किंग कप 2025 प्ले-ऑफ की पहली बार मेजबानी भारत करेगा।
- नवजात शिशुओं के लिए दुनिया की पहली दवा 'कॉर्टम' मलेरिया से संबंधित है।
- भारत की पहली योग नीति 23 जून, 2025 को उत्तराखंड ने शुरू की है।
- 20 मई, 2025 को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने **मिजोरम** को देश का पहला **पूर्ण साक्षर राज्य** घोषित किया।
- 15 मई 2025 को भारत सरकार के **Ministry of Statistics and Programme Implementation (MoSPI)** के तहत **National Statistics Office (NSO)** द्वारा अप्रैल 2025 के लिए **Periodic Labour Force Survey (PLFS)** का पहला मासिक बुलेटिन जारी किया गया।
- 5 मई, 2025 को भारत का पहला ट्रांसमीडिया मनोरंजन शहर 'क्रिएटर लैंड' आंध्र प्रदेश के अमरावती में स्थापित किए जाने की घोषणा की गई।
- **30 अप्रैल 2025 को भारत का पहला प्रमाणित ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड उत्तर प्रदेश के गाज़ियाबाद नगर निगम** ने जारी किया। इस बॉन्ड के माध्यम से ₹150 करोड़ जुटाए गए, जिनका उपयोग एक अत्याधुनिक तृतीयक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (TSTP) के निर्माण में किया गया था।
- कोलकाता में देश की पहली अंडरवाटर मेट्रो सेवा की शुरुआत की गई।
- **2025 का पहला जल्लीकट्टू आयोजन तमिलनाडु** में पारंपरिक रूप से आयोजित किया गया, जो राज्य की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है।
- **25 मार्च, 2025 को, वरिष्ठ नागरिक आयोग** स्थापित करने वाला **भारत का पहला राज्य केरल** बन गया है।

क्विक फैक्ट्स

- हाल ही में भारत ने दूसरी एशियाई स्क्वैश डबल्स चैंपियनशिप 2025 का खिताब मलेशिया में जीता है।
- हाल ही में बनकाचेरला परियोजना के कारण आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बीच नवीनतम जल विवाद उत्पन्न हुआ है।
- हाल ही में एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (AIIB) का नया अध्यक्ष जू जियाजी को नियुक्त किया गया है।
- हाल ही में एक माह तक चलने वाला लोक उत्सव 'बोनालु' तेलंगाना में प्रारंभ हुआ है।
- हाल ही में अमेरिका (यूएसए) में ग्लेशियर से ढके इलियाम्ना ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ है।
- हुरुन ग्लोबल यूनिकॉर्न इंडेक्स 2025 में भारत को तीसरा स्थान मिला है।
- हाल ही में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर टाइगर रिजर्व रणथंभौर के पास भारत के सबसे लंबे एनिमल ओवरपास कॉरिडोर का अनावरण किया गया है।
- हाल ही में मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने कोलंबो डॉकयार्ड में 52.96 मिलियन अमेरिकी डॉलर में नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल करने की घोषणा की है।
- हाल ही में भारतीय दल ने वियतनाम में आयोजित अंडर-23 और अंडर-17 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2025 में कुल 35 पदक जीते हैं।
- हाल ही में भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर में ऑपरेशन विहाली प्रारंभ किया है।
- हाल ही में केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के मुख्यालय का उद्घाटन निजामाबाद में किया है।
- हाल ही में रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (RAW) का प्रमुख पेराग जैन को नियुक्त किया गया है।
- हाल ही में चर्चा में रहा 'बिग ब्यूटीफुल बिल' अमेरिका (यूएसए) से संबंधित है।
- UNCTAD की विश्व निवेश रिपोर्ट 2025 के अनुसार, वर्ष 2024 में भारत को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्तकर्ता देशों की सूची में 15वां स्थान मिला है।
- हाल ही में H2A रॉकेट की अंतिम उड़ान पर जलवायु परिवर्तन निगरानी उपग्रह 'GOSAT-GW' जापान ने लॉन्च किया है।
- हाल ही में 'GoIStats' ऐप को राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय ने लॉन्च किया है।
- हाल ही में आयुष शेट्टी अमेरिका में आयोजित ओपन सुपर 300 खिताब जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने हैं।
- हाल ही में 'सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ' अभियान को आवास और शहरी मंत्रालय ने लॉन्च किया है।
- हाल ही में कपास, हल्दी, मक्का किसानों के लिए हेजिंग डेस्क महाराष्ट्र ने लॉन्च की है।
- वर्ष 2020-25 के संरक्षित क्षेत्रों के राष्ट्रीय मूल्यांकन में शीर्ष स्थान केरल को मिला है।
- हाल ही में राजस्व खुफिया निदेशालय ने पाकिस्तानी सामानों के विरुद्ध 'ऑपरेशन डीप मैनिफेस्ट' चलाया है।
- जैन संत विद्यानंद की शताब्दी पर नरेंद्र मोदी को 'धर्म चक्रवर्ती' सम्मान प्रदान किया गया है।
- केंद्रीय इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने एनएमडीसी और मेकॉन के अंतर्राष्ट्रीय कार्यालयों का उद्घाटन दुबई में किया है।
- प्रस्तावना में शामिल 'धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी' शब्द 42वें संविधान संशोधन से संबंधित हैं।
- भारत के पहले ग्रीन डेटा सेंटर की आधारशिला गाजियाबाद में रखी गई है।
- फीफा का 'फुटबॉल फॉर स्कूल्स (F4S)' कार्यक्रम पश्चिम बंगाल में लॉन्च हुआ है।
- कर्नाटक में काले सिर वाले कैटरपिलर के संक्रमण से नारियल फसल के उत्पादन में भारी गिरावट हुई है।
- विश्व सुपर कबड्डी लीग का उद्घाटन संस्करण दुबई में होगा।
- ऑर्बिटिंग नाउ की रिपोर्ट के अनुसार, अंतरिक्ष में सबसे अधिक उपग्रह रखने वाले देशों में भारत को छठा स्थान मिला है।
- जुलाई 2025 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् का अध्यक्ष पाकिस्तान बना है।
- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'ईएलआई' योजना के लिए ₹99,446 करोड़ बजट की मंजूरी दी है।
- केंद्रीय कैबिनेट ने राष्ट्रीय खेल नीति 2025 को मंजूरी दी है, जो वर्ष 2001 की नीति की जगह लेगी।
- 'राजभवन अन्नधन योजना' गोवा में प्रारंभ हुई है।
- जन सुरक्षा संतुष्टि अभियान गुजरात सरकार ने शुरू किया है।
- नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर 'ऑपरेशन मेड मेक्स' चलाया है।
- बिना बारूद का ब्लैकआउट बम चीन ने विकसित किया है।
- स्टारलिंक ने अपनी सेवाएं भारत के पड़ोसी देश श्रीलंका में शुरू की हैं।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार' से सम्मानित किया गया है।
- केंद्र सरकार तीन नए रणनीतिक तेल भंडार ओडिशा, राजस्थान और गुजरात में स्थापित करेगी।
- आरबीआई का नया कार्यकारी निदेशक केशवन रामचंद्रन को नियुक्त किया गया है।
- एकीकृत बाढ़ पूर्वानुमान प्रणाली 'सी-फ्लड' को सी-डैक पुणे ने विकसित किया है।

क्या आप प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं?

आरम्भ वार्षिक समसामयिकी

है आपकी सफलता की कुंजी!

प्रत्येक माह दिनांक 10 को प्रकाशित

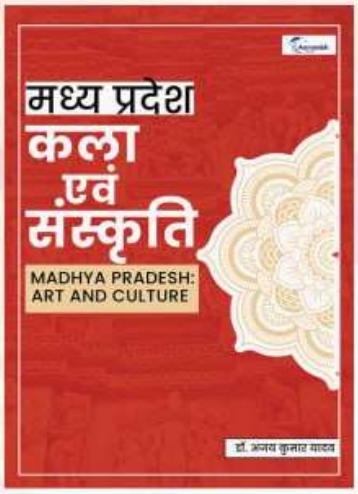

AARAMBH INSTITUTE APP
पर निःशुल्क उपलब्ध

डाउनलोड करें और परीक्षा की पूरी तैयारी करें
कभी भी, कहीं भी!

www.aarambhinstitute.org

CONTACT: +91-7400976700

ISBN 978-93-343-4185-0